संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 01
पृष्ठ 8
बुधवार
16 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शीशे जैसी चमक के...

विचार- इंसानी नियंत्रण से बाहर जा रहा एआई

खेल- जीत के बाद ईशान किशन...

संवत्सरी हमें याद दिलाती है कि क्षमा और करुणा हर रिश्ते को मजबूत बनाते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली,एजेंसी। जैन धर्म के सबसे पवित्र पर्व संवत्सरी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अन्य नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही जाने–अनजाने में हुई गलतियों के लिए माफी मांगी। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, संवत्सरी हमें याद दिलाती है कि क्षमा और करुणा हर रिश्ते को मजबूत बनाते हैं। इस पवित्र अवसर पर, विनम्रता हमारा मार्गदर्शन करे और दया व सद्भावना हमारे हर काम का आधार बनें। मिच्छामि दुक्कड़म्! महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक्स पर पोस्ट किया, पर्युषण पर्व और संवत्सरी के पावन अवसर पर, आइए हम जाने–अनजाने में अपने विचारों, शब्दों या कार्यों से किसी को भी पहुंचाई गई ठेस के लिए सभी से क्षमा मांगें। सभी को मिच्छामि दुक्कड़म! दिल्ली सरकार मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने एक्स पर लिखा, क्षमा, करुणा और आत्मशुद्धि का संदेश देने वाले पावन पर्व संवत्सरी पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पावन अवसर हमारे जीवन में प्रेम, सद्भाव और आत्मचिंतन की भावना को और प्रगाढ़ करे तथा सभी के लिए सुख, शांति एवं मंगल लेकर आए। मिच्छामि दुक्कड़म्। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने एक्स पोस्ट में कहा, समस्त देशवासियों को संवत्सरी के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! भगवान महावीर स्वामी जी के सत्य, अहिंसा, करुणा, संयम और क्षमा के संदेश हम सभी को आत्मचिंतन, आत्मशुद्धि एवं सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। संवत्सरी का यह पावन पर्व हमारे जीवन में क्षमा, मैत्री, प्रेम और शांति की भावना को और प्रगाढ़ करे तथा हम सभी को परस्पर सौहार्द एवं सद्भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दे, यही मंगलकामना है। मिच्छामि दुक्कड़म्। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा, समस्त देश व प्रदेशवासियों को संवत्सरी के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! भगवान महावीर स्वामी जी के सत्य, अहिंसा, करुणा, संयम एवं क्षमा के संदेश हम सभी को आत्मचिंतन और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। यह पावन पर्व समाज में प्रेम, शांति एवं मैत्री की भावना को और प्रगाढ़ करे, यही कामना है।

रक्षा क्षेत्र में एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए आसान होगी राह : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एमएसएमई और नई तकनीक पर काम कर रहे स्टार्टअप की भागीदारी बढ़ाने के लिए मंगलवार को कई नई पहल शुरू की जिनमें इन्हें सीधे आर्थिक मदद, प्रशिक्षण और अनुसंधान सहयोग के साथ रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की परीक्षण सुविधाओं तक विशेष पहुंच मिलेगी। रक्षा मंत्री ने सोमवार को यहां डीआरडीओ–उद्योग समन्वय बैठक विमर्श में इन पहलों का शुभारंभ किया। इस दौरान डीआरडीओ की ओर से विकसित सॉफ्टवेयर के स्रोत कोड को लाइसेंस प्राप्त उद्योगों के साथ साझा करने के लिए सुरक्षित और एक समान व्यवस्था भी शुरू की गई। कार्यक्रम में 13 विनिर्माण भागीदारों को अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के व्यावसायिक उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के नौ लाइसेंस समझौते सौंपे गए। डीआरडीओ ने उद्योग तक पहुंच बढ़ाने और छोटे उद्योगों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और लघु उद्योग भारती के साथ रणनीतिक समझौते भी किए। डीआरडीओ ने घरेलू रक्षा कंपनियों की विनिर्माण क्षमता का आकलन करने के लिए क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ श्सिस्टम फॉर एडवांस मैन्युफैक्चरिंग असेसमेंट एंड रेटिंगश के दूसरे संस्करण के लिए समझौता किया। श्री सिंह ने कहा कि डीआरडीओ और उद्योग के बीच सहयोग केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह शोध, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण तक पूरी प्रक्रिया में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ के पास ज्ञान और तकनीक, उद्योग के पास उत्पादन क्षमता, स्टार्टअप के पास नवाचार और युवाओं के पास नए भारत का सपना है। इन चारों की एकजुट ताकत से कोई लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि 2047 तक महत्वपूर्ण तकनीकों में आत्मनिर्भरता, देश में बनी सामग्री की हिस्सेदारी में बड़ी बढ़ोतरी, रक्षा निर्यात में कई गुना वृद्धि और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की मजबूत मौजूदगी हासिल करनी होगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में रक्षा क्षेत्र में कई बड़े सुधार किए गए हैं। इनमें सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची, मेक इन इंडिया, आईडीईएक्स और अदिति जैसी पहल शामिल हैं।

जंतर–मंतर मारपीट केस में स्वतंत्र भारद्वाज को राहत, कोर्ट ने दी 3 हफ्ते की अंतरिम जमानत

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने जंतर–मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक छात्रा के पिता पर हमले समेत अन्य आरोपों से जुड़े मामले में हिंदुत्व समर्थक इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को मंगलवार को तीन सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी। कार्यवाही बंद कमरे में हुई। अदालत के सूत्रों के अनुसार, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने भारद्वाज को तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत दी। भारद्वाज को सात सितंबर को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इससे पहले, सोमवार को न्यायाधीश ने कहा था कि आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई बंद कमरे में होगी। इसके बाद अदालत के कर्मचारियों ने मीडियाकर्मियों से अदालत कक्ष से बाहर जाने को कहा। बाद में अदालत के कर्मचारियों ने बताया कि जमानत याचिका पर आदेश 15 सितंबर के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। हमले के मामले में गिरफ्तारी की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन करने के कुछ ही घंटों बाद, चार सितंबर को भारद्वाज को बुलंदशहर में हिरासत में ले लिया गया। यह कार्रवाई एक साक्षात्कार को लेकर हुए आक्रोश के बाद की गई, जिसमें भारद्वाज ने दावा किया था कि प्रदर्शन के दौरान उसने छात्रा के पिता की खोपड़ी फोड़ दी थी और अपने राजनीतिक संपर्कों के कारण गिरफ्तारी से बच गया। भारद्वाज को एक न्यायाधीश के आवास पर पेश किया गया था, जिन्होंने आरोपी से एक दिन की हिरासत में पूछताछ करने की दिल्ली पुलिस की अर्जी मंजूर कर ली थी। अगले दिन मजिस्ट्रेट अदालत ने भारद्वाज को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इसके बाद मौजूदा अदालत ने भारद्वाज की न्यायिक हिरासत 21 सितंबर तक बढ़ा दी थी।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर राहत कार्य जारी, चीड़बासा से सात हजार से ज्यादा श्रद्धालु निकले

रुद्रप्रयाग,एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में चीड़वासा हेलीपैड के समीप भूस्खलन से प्रभावित केदारनाथ पैदल मार्ग से बचाव एवं राहत दलों की निगरानी में मंगलवार को 150 अन्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बचाव दलों की निगरानी में अब तक कुल 7,350 श्रद्धालुओं को भूस्खलन प्रभावित रास्ते से सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले तीन दिनों से रुकी केदारनाथ यात्रा को बहाल करने के लिए मार्ग पर जमा मलबे और पत्थरों को हटाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) की यहां जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार पूर्वाह्न सवा 10 बजे तक केदारनाथ धाम में दर्शन के बाद लौट रहे 150 अन्य श्रद्धालुओं को चीड़वासा से सुरक्षित निकाल लिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक कुल 7,350 श्रद्धालुओं को बचाव दल सुरक्षित निकालने में कामयाब रहे हैं। केंद्र ने बताया कि सोमवार शाम तक 7,200 तीर्थयात्रियों और 1,200 खच्चरों को भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से निकाला गया था। अधिकारियों ने बताया कि इस बीच, गौरीकुंड से करीब ढाई किलोमीटर ऊपर चीड़वासा हेलीपैड के समीप रविवार को बोल्डर, पत्थर और मलबा गिरने से क्षतिग्रस्त मार्ग को दुरुस्त करने का काम तेजी से किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, पुलिसकर्मी, लोक निर्माण विभाग और जिला आपदा राहत बल के कर्मियों की निगरानी में सुरक्षा का ध्यान रखते हुए श्रमिक मार्ग खोलने के काम में युद्धस्तर पर जुटे हैं। पुलिस ने बताया कि केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को अभी इंतजार करना होगा, क्योंकि रास्ते से मलबा पूरी तरह साफ होने के बाद ही श्रद्धालुओं को भगवान शिव के दर्शन के लिए आगे जाने की अनुमति दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने एनएसई की पूर्व सीईओ की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से किया इनकार

नयी दिल्ली,संवाददाता। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व एमडी और सीईओ चित्रा रामकृष्ण की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया है। चित्रा रामकृष्ण ने सीबीआई की कार्रवाई को चुनौती देते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत खुद को पब्लिक सर्वेंट माने जाने पर सवाल उठाया था। उनका तर्क था कि एनएसई निजी संस्था है और वह किसी सरकारी या नियामक व्यवस्था के कारण पद पर नहीं थीं। सुनवाई के चित्रा रामकृष्ण के वकील बलबीर सिंह ने कहा कि उनके खिलाफ आईपीसी की कार्यवाही पर उन्हें आपत्ति नहीं है लेकिन पीसी एक्ट लागू नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने पूछा कि क्या उन्होंने डिस्चार्ज एप्लीकेशन दाखिल की है। कोर्ट ने कहा कि अगर ट्रायल कोर्ट यह पाता है कि आरोपी श्पब्लिक सर्वेंटश नहीं हैं, तो इससे स्पेशल कोर्ट का अधिकार क्षेत्र खत्म नहीं हो जाता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले में कोई गलती नहीं है। कोर्ट ने कहा कि रामकृष्ण एनएसई की एमडी और सीईओ थीं और यह सवाल कि एनएसई गैर–सरकारीधनिजी कंपनी होने के कारण क्या वह पब्लिक ड्यूटी निभा रही थीं, ट्रायल के दौरान उठाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस मुद्दे का फैसला ट्रायल कोर्ट अपने गुण–दोष के आधार पर करे। इसके पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने चित्रा रामकृष्ण की भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत लोक सेवक और लोक सेवा की परिभाषा को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि एनएसई लोकसेवा का कार्य करती है और चित्रा रामकृष्ण पूर्व सीईओ और एमडी होने के नाते एनएसई की ओर से किए गए कार्य से खुद को अलग नहीं कर सकती।

राजस्थान निकाय चुनावों में बसपा को मिली 19 सीटें, मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं को दी बधाई

नयी दिल्ली,एजेंसी। राजस्थान में हुए नगर निकाय चुनावों में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को 19 सीटों पर जीत मिली है। प्रमुख मायावती ने मंगलवार को पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बधाई दी। मायावती ने कहा कि पार्टी और भी बेहतर नतीजे ला सकती थी, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी मशीनरी में गड़बड़ियों की वजह से रीकाउंटिंग के दौरान कई बसपा उम्मीदवार बहुत कम अंतर से हार गए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मायावती ने लिखा, राजस्थान में हुए नगर निकाय चुनावों में बसपा ने इस बार भी 19 सीटों पर अपने पार्षदों को जिताकर सफलता हासिल की है। सरकारी मशीनरी में गड़बड़ियों के कारण रीकाउंटिंग में कई उम्मीदवारों को बहुत कम वोटों के अंतर से जबरन हराया गयाय वरना पार्टी यहां और भी बेहतर नतीजे ला सकती थी। इसके लिए पार्टी ने बसपा के सभी छोटे–बड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। बसपा प्रमुख ने यह भी बताया कि पार्टी ने पंजाब और कुछ अन्य राज्यों में हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पहले से बेहतर प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, इससे पहले पंजाब और देश के कुछ अन्य राज्यों में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में भी पार्टी ने पहले से बेहतर नतीजे हासिल किए हैं, और वे भी बधाई के पात्र हैं। मायावती ने उम्मीद जताई कि पार्टी इन प्रदर्शनों के आधार पर आगे बढ़ेगी और आने वाले विधानसभा चुनावों और अगले लोकसभा चुनावों में और भी मजबूत नतीजे देगी।

दिल्ली के दो स्कूलों में बम की धमकी से हड़कंप, जांच के बाद झूठी निकली सूचना

नयी दिल्ली,संवाददाता। दिल्ली में मंगलवार को कम से कम दो स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले, जिसके बाद इन विद्यालय परिसरों से विद्यार्थियों को बाहर निकाला गया तथा सुरक्षा जांच की गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, उसके पास धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल से एक फोन आया। उसने बताया कि बम की धमकी संबंधी सूचना मिलने के बाद पुलिस और अन्य आपात कार्रवाई दलों को अलर्ट किया गया तथा एहतियात के तौर पर विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर से बाहर निकाला गया। यादव ने रेखांकित किया कि चक्रीय अर्थव्यवस्था का वास्तविक पैमाना यह नहीं होगा कि कितना कचरा पुनर्चक्रित किया गया, बल्कि यह होगा कि हमने मूल्य (संसाधनों की उपयोगिता) को कितना कम बर्बाद होने दिया। उन्होंने कहा, हमारे सामने विकल्प विकास और पर्यावरण के बीच का नहीं है। वास्तविक अवसर खुद विकास को अधिक संसाधन–कुशल, अधिक लचीला और अधिक टिकाऊ बनाने का है, और डब्ल्यूसीई वास्तव में यही करता है।

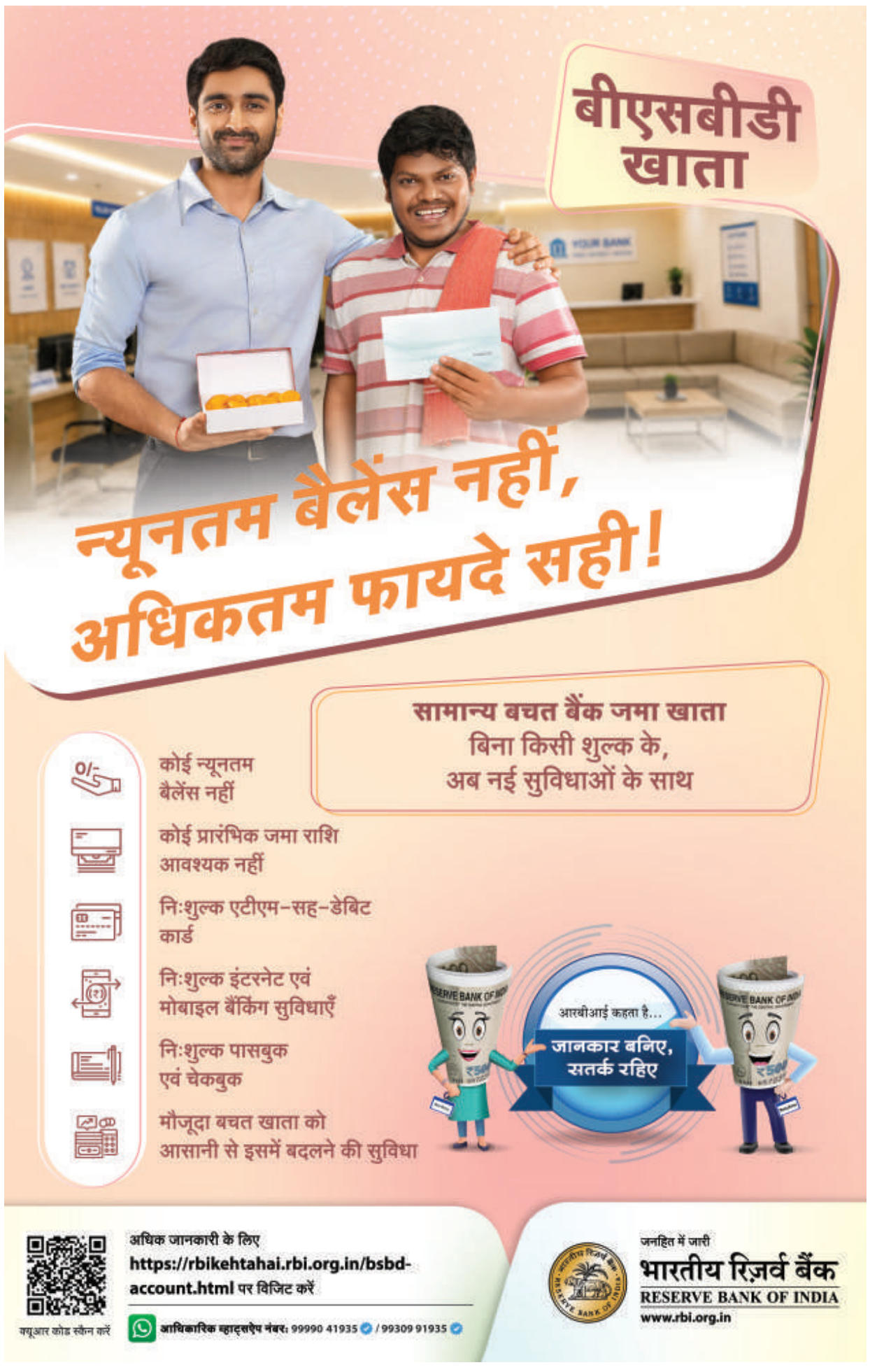

हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

प्रयागराज। क्षेत्र के संविलियन विद्यालय विशंभरपुर में सोमवार को विविध प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों

का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एआरपी ज्ञानेंद्र सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी समृद्ध संस्कृति, साहित्य और भावनाओं को अभिव्यक्त करने वाली सशक्त भाषा है। प्उरत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं पिंकी, प्रिया, यशी जायसवाल, शशि, प्रिया यादव, प्रियांजली, शैली और अर्चना को पुरस्कृत किया गया।

हरितालिका तीज पर महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

प्रयागराज। लेडियारी एवं आसपास के क्षेत्र में सोमवार को हरतालिका तीज का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु सुख समृद्धि

और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर दिन भर निर्जला व्रत रखा सुबह से ही घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थी महिलाओं ने सामूहिक रूप से मंदिरों में भी पहुंचकर पूजा अर्चना किया। मेजा में भी सुहागिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा। भीरपुर में पर्व को लेकर सुबह से ही महिलाओं में उत्साह का माहौल रहा। घूरपूर में कुंवारी कन्याओं ने भी व्रत रखा। मंसूराबाद में शृंगार के सामान की खरीदारी के लिए दिनभर बाजार में चहल–पहल रही। इसके अलावा शृंग्वेरपुर और मिश्रा बांध में भी महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा।

कार्य संस्कृति में हिंदी को अपनाने पर जोर

प्रयागराज। इफको फूलपुर संयंत्र में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। महाप्रबंधक (अनुरक्षण) पीके पटेल ने कहा कि हिंदी किसी भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि जोड़ने का माध्यम है। इसे केवल राजभाषा तक सीमित न रखकर कार्य संस्कृति का

हिस्सा बनाना चाहिए। नई तकनीकी भवन में दीप प्रज्वलन के साथ हिंदी सप्ताह की शुरुआत हुई। हिंदी कार्य समिति के संयोजक अनिल कुमार गुप्त ने हिंदी को प्रशासनिक कामकाज व जनसंवाद के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान में अधिक कार्य हिंदी में हों। हिंदी सप्ताह के तहत अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए प्रश्नोत्तरी और निबंध प्रतियोगिताएं हुईं। इस मौके पर महाप्रबंधक रत्नेश कुमार, डॉ. अनीता मिश्र, अरुण कुमार, शंभू शेखर, अनुराग तिवारी, एसके सिंह, आरपी यादव और संदीप गोयल आदि रहे।

हिंदी दिवस पर शिक्षकों को किया सम्मानित

प्रयागराज। लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज धरवारा में सोमवार को हिंदी दिवस मनाया गया। प्रधानाचार्य डॉ. संतोष

कुमार शुक्ल ने कहा कि हिंदी को राजभाषा का सम्मान तो प्राप्त है, लेकिन राष्ट्रभाषा का गौरव मिलना अभी बाकी है। इस अवसर पर हिंदी शिक्षक संतोष शुक्ल और श्रीकृष्ण त्रिपाठी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान स्टाफ सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

369 दिव्यांग बच्चे उपकरण के लिए चिह्नित

प्रयागराज। श्री बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर में सोमवार को मेजरमेंट कैंप का आयोजन हुआ। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार के निर्देशन में यह शिविर लगा। समग्र शिक्षा के अंतर्गत समेकित शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण दिए जाएंगे। एलिम्को कानपुर के सहयोग से बच्चों का परीक्षण किया गया। शिविर में कुल 373 बच्चों का परीक्षण हुआ। इनमें से 369 दिव्यांग बच्चों को उपकरण के लिए चिह्नित किया गया। पीएम श्री योजना के 40 बच्चे भी इसमें शामिल थे। इस मौके पर विकास पांडेय, एलिम्को पुनर्वास विशेषज्ञ आदर्श द्विवेदी, प्राची कुशवाहा, ऑडियोलॉजिस्ट सजीव कुमार, आशू शुक्ला, ओम द्विवेदी, खंड शिक्षा अधिकारी शैलपति यादव और प्रधानाचार्य मनीष कुमार तिवारी आदि रहे।

न्यायमूर्ति प्रेमशंकर गुप्त: जिनके हिंदी के फैसलों ने रोका 'सुप्रीम' रास्ता, अंग्रेजी लिखने से किया था इनकार

प्रयागराज। हाईकोर्ट में हिंदी यात्रा की कहानी न्यायमूर्ति प्रेमशंकर गुप्त का नाम लिए बिना अधूरी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के ऐसे जस्टिस, जिन्होंने अंग्रेजियत की परंपरा तोड़ अपने सभी फैसले हिंदी में दिए। हिंदी में लिखने के संकल्प के कारण वह सुप्रीम कोर्ट नहीं गए, क्योंकि वहां अंग्रेजी चलती थी, और वह एक भी आदेश अंग्रेजी में लिखने को तैयार न थे।

हाईकोर्ट में हिंदी यात्रा की कहानी न्यायमूर्ति प्रेमशंकर गुप्त का नाम लिए बिना अधूरी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के ऐसे जस्टिस, जिन्होंने अंग्रेजियत की परंपरा तोड़ अपने सभी फैसले हिंदी में दिए। हिंदी में लिखने के संकल्प के कारण वह सुप्रीम कोर्ट नहीं गए, क्योंकि वहां अंग्रेजी चलती थी, और वह एक भी आदेश अंग्रेजी में लिखने को तैयार न थे।

न्यायमूर्ति प्रेमशंकर गुप्त के बेटे सीनियर एडवोकेट प्रदीप कुमार ने बताया कि उनकी निर्णय क्षमता से सुप्रीम कोर्ट काफी प्रभावित था। ऐसे मौके भी आए जब उनसे अपेक्षा की गई कि वह एक–दो आदेश अंग्रेजी में दे दें तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जज बना दिया जाए, लेकिन वह तैयार नहीं हुए। इतना ही नहीं, एक बार उन्हें तमिलनाडु के मद्रास हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया जाना था। इस पर उन्होंने कहा

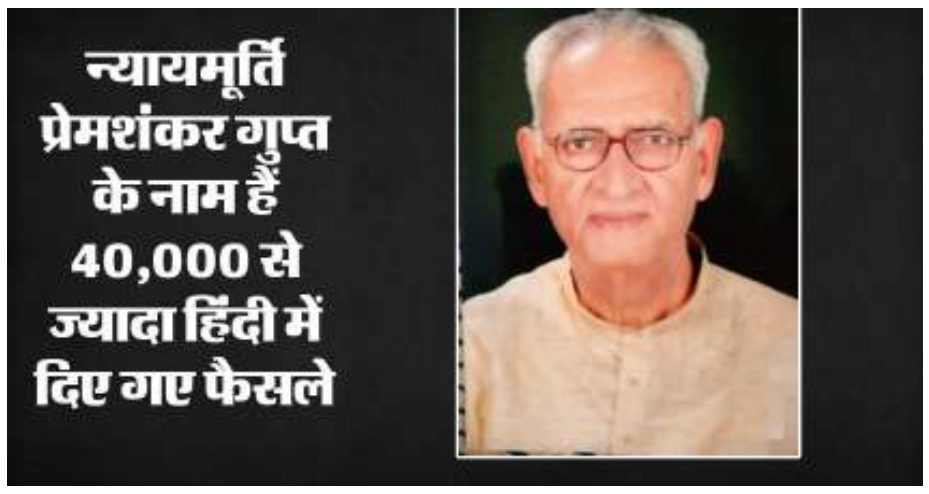

था कि साथी जज की मदद से तमिल में फैसले लिखवा देंगे पर अंग्रेजी में नहीं।

लैटिन में बहस शुरू की तो हिंदी बोलने की मिली इजाजत

एडवोकेट प्रदीप बताते हैं कि वर्ष 1972–73 के आसपास यूपी में चर्चित शमीम रहमानी का केस यहां आया। शमीम ने अपने प्रेमी की उसी की बंदूक से हत्या कर दी थी। पिता जी सरकारी वकील थे, उन्हें हिंदी में बहस करने से मना कर दिया गया। फिर उन्होंने लीगल डिक्शनरी से लैटिन के शब्द छांटे। तैयारी कर लैटिन में बहस करने लगे। जज इसलिए मना नहीं कर सके, क्योंकि लैटिन लीगल लैंग्वेज थी। जजों को जब मुश्किल हुई तो उन्होंने हिंदी में बहस की अनुमति दी।

संघर्ष कर पहुंचे थे इलाहाबाद हाईकोर्ट

एडवोकेट प्रदीप बताते हैं, वह लोग मूलतरू इटावा के रहने वाले हैं। आज भी परिवार संयुक्त है। उनके बाबा की मृत्यु हुई तो घर के बच्चों की पढ़ाई–लिखाई का जिम्मा उनके ताऊ जी पर आ गया। पिता जी के बीए करने के बाद ताऊ जी ने उनसे कारोबार संभालने को कहा, क्योंकि उनकी तबीयत खराब रहने लगी थी। तब बमुश्किल चोरी–छिपे उन्होंने एलएलबी किया। 1977 से 1992 तक 40,000 से ज्यादा फैसले हिंदी में दिए।

आपातकाल के दौरान हिंदी में आया था पहला आदेश

आपातकाल के दौरान मीसा बंदियों की ओर से बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई थी। चीफ जस्टिस की पूर्ण पीठ ने सुनवाई की थी। तब चीफ जस्टिस एनबी अस्थाना ने अपना आदेश हिंदी में दिया था।

ठेकेदार हत्याकांड: शराब पीते हुए संदीप को आया था गुस्सा, ईंट से सिर, चेहरे और सीने पर किए वार

प्रयागराज। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और लोगों से पूछताछ के बाद संदीप यादव पुत्र रमेश यादव और दोस्त शानू यादव पुत्र जंग बहादुर को सोमवार को फनगांव वाटर पार्क के पास से गिरफ्तार किया।

मंझनपुर के महमदपुर गांव के खेत में कार की डिकी में मिले ठेकेदार रवि यादव के शव के मामले में पुलिस ने खुलासा किया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी संदीप (मृतक का ममेरा भाई) ने बताया कि वह रवि और शानू (संदीप का दोस्त) गांव के बाहर एक प्लॉट पर एकसाथ शराब पी रहे थे। नशे में रवि उसकी बहन से शादी करने की बात करने लगा। संदीप ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन विवाद बढ़ता गया।

गुस्से में संदीप ने वहीं पड़ी ईंट से रवि के सिर, चेहरे और सीने पर हमला कर दिया। इससे रवि की मौत हो गई। मौत के बाद दोनों ने शव को कार की डिकी में रखा और मौके से भागने लगे। तभी कार खेत में फंस गई। आनन–फानन में आरोपी कार खेत में छोड़ कर फरार हो गए।

फनगांव वाटर पार्क के पास से किया गिरफ्तार

पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और लोगों से पूछताछ के बाद संदीप यादव पुत्र रमेश यादव और दोस्त शानू यादव पुत्र जंग बहादुर को सोमवार को फनगांव वाटर पार्क के पास से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी प्रयागराज के यादवपुर, थाना धूमनगंज के निवासी हैं।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल ईंट, मृतक के दो मोबाइल, आधार, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र और दो डेबिट कार्ड बरामद किए हैं।

मनीष और शुभम की भूमिका की भी जांच

एसपी सत्यनारायण ने बताया कि मामले में मनीष और शुभम नाम के दो अन्य नामजद लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है। प्रथम दृष्टया दोनों की इस मामले में कोई भूमिका सामने नहीं आई है। जांच जारी है।

खुलासे के लिए मंझनपुर पुलिस, सीआईडब्ल्यू और सर्विलांस की टीमें लगाई गई थीं। इलेक्ट्रानिक सर्विलांस, सीसीटीवी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में जांच की जा रही है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। मंगलवार को दोनों को जेल भेज दिया जाएगा। –सत्यनारायण ,एसपी

15 साल से पुराने स्कूली वाहन प्रतिबंधित, विशेष जांच अभियान शुरू

प्रयागराज। छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयागराज में स्कूली वाहनों पर विशेष जांच अभियान शुरू किया गया है। सोमवार से शुरू 'मिशन सेफ फ्यूचर 3' अभियान 19 सितंबर 2026 तक चलेगा। 15 वर्ष से अधिक पुराने स्कूली वाहनों के संचालन को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित करते हुए अभियान के दौरान वाहन पकड़े जाने पर उसका पंजीकरण निरस्त कर दिया जाएगा।

आरटीओ ने यह भी स्पष्ट किया है कि 15 वर्ष से पुराने वाहनों से बच्चों को ढोते हुए पाए जाने पर संबंधित विद्यालय प्रबंधन/प्रबंधक के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा बिना सुरक्षा प्रपत्रों के चलने वाले वाहनों पर भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति के सदस्यों को भी इन नियमों का शत–प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रत्येक स्कूली वाहन में एक परिचर/अटेंडेंट की उपस्थिति अनिवार्य है। जिन वाहनों में बालिकाएं यात्रा करती हैं, उनमें महिला परिचर की नियुक्ति

जरूरी होगी।

वहीं, सभी स्कूली वाहनों का संचालन वैध पंजीकरण प्रमाण–पत्र, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण–पत्र, परमिट और फिटनेस प्रपत्रों के साथ ही किया जाना चाहिए। 15 वर्ष की आयु पूरी कर चुके स्कूली वाहनों का संचालन तत्काल बंद करने का निर्देश दिया गया है। ऐसे वाहनों का पंजीयन निरस्तीकरण कराने के लिए परिवहन कार्यालय से संपर्क करने को कहा गया है।

विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन

उत्तर प्रदेश मोटरयान नियमावली, 2019 के नियम 222 (छ) के तहत प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन अनिवार्य है। इस समिति का उद्देश्य स्कूली वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। समिति में संबंधित विद्यालय प्राधिकारी अध्यक्ष होते हैं। जिलाधिकारी की ओर से नामित अधिकारी, संरक्षकों के दो प्रतिनिधि और संबंधित थाना प्रभारी इसके सदस्य होते हैं।

इसके अतिरिक्त, बीएसए और डीआईओएस की ओर से नामित अधिकारी भी समिति के सदस्य होते हैं। निर्देश जारी किए गए हैं कि समिति की बैठकें प्रत्येक वर्ष जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्तूबर माह में अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा की जाए।

पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, न्यू बंगाईगांव में हिन्दी दिवस मनाई गई

बंगाईगांव, असम । पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र, न्यू बंगाईगांव में राजभाषा सप्ताह–2026 मनाई गई। यह दिनांक 09.09.2026 से शुरू होकर दिनांक 14.09.2026 तक चली। इस दौरान दिनांक 09.09.2026 को एक हिंदी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका विषय था श्भारतीय रेल में ए.आई. तकनीकश। एक अन्य प्रतियोगिता हिंदी वाक् प्रतियोगिता दिनांक 10.09.2026 को आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने श्नारी शिक्षाश के महत्व पर अपनी सारगर्भित बात रखी। प्राचार्य श्री देवाशीष पाठक के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के प्रशिक्षकगण और प्रशिक्षुओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संयोजन और संचालन की जिम्मा संभाला वरिष्ठ व्याख्याता श्री विनय कुमार ने। प्रशिक्षु अभियंता श्री गोविंद चौधरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में काफी सहयोग किया । श्री सरोज कुमार साह और श्री सौरभ कुमार बर्मन ने भी अपने आवंटित जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

सप्ताह भर चले इस राजभाषा सप्ताह के समापन के दिन दिनांक 14.09.2026 को हिन्दी दिवस कार्यक्रम सह पुरस्कार वितरण के रूप में मनाया गया। प्राचार्य श्री देवाशीष पाठक ने प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं दी और राजभाषा से सम्बन्धित सारगर्भित भाषण दिया और सरकारी कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की बात कही। प्रशिक्षक श्री कुमार कुणाल ने राजभाषा नियम और उनकी बारीकियों को विस्तृत रूप से समझाया। मूल्यांकन पश्चात् विजेताओं की सूची जारी की गई और उन्हें बारी बारी से मंच पर बुलाकर प्राचार्य महोदय और अन्य प्रशिक्षकों ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया श्री शिवम मौर्या, प्रशिक्षु कनीय अभियंता/विद्युत, द्वितीय स्थान पर रहे श्री माधव अग्रवाल, प्रशिक्षु कनीय अभियंता/विद्युत और तृतीय स्थान पर रहे श्री गोबिंद चौधरी, मध्यवर्ती कनीय अभियंता/समाडी । सांत्वना पुरस्कार श्री धीरज गौतम, प्रशिक्षु कनीय अभियंता/विद्युत और अरुण कुमार, प्रशिक्षु कनीय अभियंता/विद्युत को प्रदान किया गया। हिन्दी वाक् प्रतियोगिता के लिए प्रथम स्थान पर रहे श्री विपुल कुमार, प्रशिक्षु कनीय अभियंता/विद्युत, द्वितीय स्थान पर श्री विवेक कुमार, सहायक/ समाडी, नाहरलगुन और तृतीय स्थान पर श्री समीर देव राय, मध्यवर्ती कनीय अभियंता/कारखाना । सांत्वना पुरस्कार के लिए श्री अनिल कुमार साह, मध्यवर्ती कनीय अभियंता/समाडी और श्री सरोज कुमार साह, मध्यवर्ती कनीय अभियंता/समाडी का चयन हुआ। वरिष्ठ व्याख्याता श्री विनय कुमार के अलावा वहां उपस्थित प्रशिक्षकों में श्री संजीव कुमार मिश्रा, श्री स्वप्न कुमार दास, श्री माधव कुमार मंडल, श्री कुमार कुणाल, श्री सुजीत कुमार झा, श्री अजय लामा और श्री संतोष कुमार प्रसाद ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत करने में सहयोग किया और उन्हें बधाई दिया। इस तरह एक सफल कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसका श्रेय यहां के प्राचार्य, प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं को जाता है। वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी श्री अशोक कुमार सिन्हा जी और राजभाषा मालीगांव के श्री अनिल कुमार तिवारी जी ने अपनी तरफ से इस कार्यक्रम की सफलता हेतु शुभकामनाएं व्यक्त किया था।

वरिष्ठ साहित्यकार देवयानी की पुस्तक 'अनुभूति के शब्द' का विमोचन एवं सम्मान समारोह

सम्मानित हुए उमेश श्रीवास्तव, डॉ यास्मीन सुल्ताना नकवी, राम अधार यादव

प्रयागराज। जेड गार्डन में आज पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता पूर्व कमीश्नर बादल चदर्जी ने की। मुख्य अतिथि श्री तलब जौनपुरी रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ यास्मीन सुल्ताना नकवी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना शुक्ला की वाणी वंदना से हुआ। इसके पश्चात प्रयागराज की वरिष्ठ

साहित्यकार देवयानी की पुस्तक श्अनुभूति के शब्दश का विमोचन हुआ जिस पर मंचस्थ विद्वानों ने अपने– अपने विचार व्यक्त किये। उसके बाद डॉ यास्मीन सुल्ताना, डॉ प्रदीप चित्रांशी, उमेश श्रीवास्तव, चन्द्रा सक्सेना शनिशीश राम अधार यादव, सुषांत घोष को फूल, स्मृति चिन्ह, शाल देकर सम्मानित किया गया है संचालन वरिष्ठ कवयित्री वंदना शुक्ला ने किया। इस आयोजन बादल चटर्जी, शर्मिला चटर्जी, उमेश श्रीवास्तव, सुशान्त घोष, रामअधार यादव, डा. यासमीन सुल्ताना नक्वी, मीरा सिन्हा, ज्योतिर्मय श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव, वंदना शुक्ला, घ्गोपा घोष, बेला बनर्जी मित्तल, रुपाली घोशाल, रानू बनर्जी, ईश्वर शरण, दिनेश कुशवाहा, विरेन्द्र तिवारी, तलब जौनपुरी, घ्जया मोहन, निखत बेगम आदि घ्शहर के अनेक साहित्यकार उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन रचना सक्सेना ने किया।

नामित सभासदों को दिलाई गई कर्तव्य पालन की शपथ

प्रयागराज। तहसील सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शासन द्वारा नगर पंचायत हंडिया के नामित सभासदों को कर्तव्य पालन की शपथ दिलाई गई। तहसीलदार हंडिया विनय कुमार बरनवाल ने नामित सभासद डॉ. क्रांति तिवारी, राजीव बिंद एवं पूर्ण चंद्रा को शपथ दिलाते हुए कहा कि जिम्मेदारी के पालन से ही पद की गरिमा कायम रहेगी। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेशचंद्र पांडेय, संतोष कुमार शुक्ला, सैफुल अब्बास, रश्मि सिंह, राकेश बिंद, बालकृष्ण शुक्ला, ज्ञानेंद्र सिंह, चंद्रमणि मिश्रा, सागर त्रिपाठी मौजूद रहे।

विश्व हिन्दू परिषद स्थापना दिवस का आयोजन

चित्रकूट धाम लचित्रकूट धाम की पावन धरा पर विश्व के सबसे बड़े सामाजिक संगठन विश्व हिंदू परिषद के 62 वे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रखण्ड मऊ के ब्लॉक परिसर के नवीन सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में

विश्व हिन्दू परिषद के विभाग संगठन मंत्री विकास जी भाई साहब का उद्बोधन प्राप्त हुआ। जिसमें जिला मंत्री नीरज जी, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख मुकेश जी, जिला सह मंत्री संदीप जी, वरिष्ठ संरक्षक मुरली मनोहर जी, प्रखण्ड अध्यक्ष सर्वेश जी, प्रखण्ड उपाध्यक्ष अंकित जी,प्रखण्ड मंत्री अरविंद जी, संयोजक शिवांश जी, सह संयोजक अनूप जी, अंकुर जी, सह मंत्री किशन जी, गौ रक्षा प्रमुख राज जी, मठ मंदिर प्रमुख सत्यम जी, प्रचार प्रसार प्रमुख प्रकाश जी, समरसता प्रमुख पप्पू माली जी, अमित जी, शुभम जी, अभिनव जी, अशोक माली, विपुल जी, श्रेयांश,हर्ष, रामचंद्र, प्रकाश आदि विश्व हिन्दू परिषद / बजरंग दल के ऊर्जावान कार्यकर्ताओं की भव्य उपस्थिति ने हमारे संकल्प को और भी अधिक दृढ़ बनाया। आप सभी का राष्ट्र के प्रति यह अटूट प्रेम और समर्पण ही हमारी असली शक्ति है।

आइए, इसी निष्ठा के साथ हम सब मिलकर माँ भारती की सेवा और अखंडता के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहें।

भयहरणनाथ धाम में हरितालिका तीज मेला में उमड़ी नारी शक्ति

प्रसाद रूप में पौध और फल हुए वितरित

विश्वकर्मा जयन्ती पर भव्य आयोजन 17 सितंबर को

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में हरितालिका तीज मेला का भव्य आयोजन देर रात्रि तक हुआ।

क्षेत्रीय समाज की हजारों निर्जला व्रती महिला शक्ति ने प्रतिभाग करके भगवान भयहरण नाथ महादेव का पूजन अर्चन किया। जहाँ प्रबन्ध संस्था के मार्गदर्शन में जहाँ वन विभाग व लोक भारती द्वारा प्रसाद रूप में सैकड़ो पौध वितरित किया गया वहीं मुख्य मन्दिर के पुजारी भोला नाथ द्वारा चढ़ावा ग्रहण किया और सभी महिलाओं को प्रसाद देकर आशीर्वाद दिया गया।

यह जानकारी देते हुए भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि हरितालिका तीज मेले में तकरीबन 10 हजार से अधिक महिला शक्ति ने प्रतिभाग किया। दोपहर 2 बजे धाम में महिला शक्ति का आगमन शुरू हुआ जो देर रात्रि तक जारी रहा। मुख्य मंदिर के पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित सभी मंदिरों के पुजारी के संयोजन में कार्यकर्ताओं की टीम व्यवस्था में लगी रही। मेला क्षेत्र में मेला सचिव अनिल मिश्र, मंदिर सचिव मुरली पांडेय तथा कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता ग्राही राज कुमार नगर पंचायत की सफाई टीम के साथ सभी व्यवस्था में सहयोग करते रहे। हरितालिका तीज के अवसर पर लोक भारती के द्वारा पौध संरक्षण के संकल्प के साथ व्रती महिलाओं को फलदार व उन्नत किस्म के पौध वितरित किये गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल ने की। लोक भारती के जिला संयोजक डी के शर्मा तथा सह संयोजक सागर मिश्र तथा संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, हीरा लाल, संगठन सचिव राज किशोर मिश्र ने महासचिव समाज शेखर के मार्गदर्शन में आँवला, अमरूद व लाठी वाले बांस के सैकड़ो पौध वितरित कर वृक्ष रक्षा का संकल्प दिलाया। वन विभाग की ओर से धाम परिसर व मार्ग में व्यापक पौध रोपण हेतु विशिष्ट पौध व ट्री गार्ड उपलब्ध कराया गया।

प्रयागराज-हडपसर त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 04107/04108 प्रयागराज - हडपसर साप्ताहिक त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं. 04107 प्रयागराज - हडपसर			गाड़ी सं. 04108 हडपसर - प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	10:20	प्रयागराज	06:30	-----
11:18	11:20	शंकरगढ़	04:13	04:15
11:45	11:47	डभौरा	03:33	03:35
12:40	12:45	मानिकपुर	03:10	03:15
13:25	13:27	चित्रकूट धाम कर्वी	01:55	01:57
15:15	15:20	बाँदा	00:35	00:40
16:18	16:20	महोबा	23:18	23:20
17:30	18:00	खजुराहो	21:20	21:50
18:14	18:16	बुरिया गंज	20:50	20:52
18:32	18:34	छतरपुर	20:30	20:32
19:33	19:35	टीकमगढ़	19:10	19:12
21:03	21:05	ललितपुर	18:18	18:20
23:35	23:40	बीना	16:45	16:50
02:00	02:05	रानी कमलापति	14:15	14:20
03:35	03:45	इटारसी	12:20	12:30
08:10	08:15	भुसावल	07:35	07:40
10:45	10:50	मनमाड	04:20	04:25
11:54	11:56	कोपरगांव	03:06	03:08
12:42	12:44	बेलापुर	02:06	02:08
14:00	14:02	अहिल्यानगर	01:00	01:02
16:05	16:10	दौंड कॉर्ड लाइन	23:45	23:50
19:30	-----	हडपसर	-----	22:40

प्रयागराज से: गाड़ी संख्या 04107, प्रत्येक बुधवार, दिनांक 21.10.2026 से 18.11.2026 तक, हडपसर से: गाड़ी संख्या 04108, प्रत्येक गुरुवार, दिनांक 22.10.2026 से 19.11.2026 तक

गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी: 06, स्लीपर श्रेणी: 12, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी: 01

नोट:- ट्रेन से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2109/26(AK)

सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज में राजभाषा पखवाड़े का भव्य शुभारंभः

'छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता और हिन्दी भाषा' विषय पर हुआ मंथन

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) की राजभाषा समिति के तत्वावधान में 15 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक चलने वाले श्राजभाषा पखवाड़ाश का विधिवत शुभारंभ कॉलेज के न्यू सभागार में दोपहर 2रू00 बजे किया गया। उद्घाटन सत्र का मुख्य विषय श्छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता और हिन्दी भाषाश रहा, जिसकी अध्यक्षता प्रो. अजय प्रकाश खरे ने की।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. रामानुज यादव ने किया। मंच संभालते हुए उन्होंने सर्वप्रथम 15 सितंबर से 30 सितंबर तक पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसमें 29 सितंबर को आयोजित होने वाले स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता की विशेष जानकारी भी साझा किया। इसके उपरांत उन्होंने मुख्य अतिथियों के स्वागत क्रम को आगे बढ़ाते हुए विषय प्रवेश कराया। उन्होंने भाषा की प्रकृति को स्पष्ट करते हुए रेखांकित किया कि लोकव्यवहार में हिंदी भाव और व्यवहार की भाषा है, अंग्रेजी व्यापार की भाषा है तथा उर्दू प्यार व नफासत की भाषा मानी जाती है।

स्वागत उद्बोधनरू प्रो. सरोज सिंह ने मुख्य वक्ता प्रो. कुमार वीरेंद्र तथा मंचासीन मुख्य अतिथि श्री विनीत सिंह का स्वागत किया। अपने स्वागत वक्तव्य में उन्होंने सभागार में उपस्थित सभी शिक्षकों, शोधार्थियों एवं छात्र–छात्राओं का आत्मीय अभिनंदन किया।

संयोजिका प्रो. आभा त्रिपाठी ने राजभाषा पखवाड़े की महत्ता और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परिवेश और कालखंड के साथ भाषा का स्वरूप निरंतर परिष्कृत होता रहता है। उन्होंने हिंदी की सहस्राब्दियों पुरानी विकास यात्रा को रेखांकित करते हुए आधुनिक दौर में हिंदी के डिजिटलीकरण, तकनीकी क्रांति के युग में हिंदी सॉफ्टवेयर के संवर्धन तथा राजभाषा के रूप में इसके सुदृढ़ीकरण में महात्मा गांधी व सी. राजगोपालाचारी के ऐतिहासिक योगदान का स्मरण कराया।

मुख्य अतिथि श्री विनीत सिंह (सचिव, प्रयागराज विकास प्राधिकरण) ने छायावाद के चार प्रमुख स्तंभोंकृप्रसाद, निराला, पंत और महादेवी वर्मा के इलाहाबाद विश्वविद्यालय से गहरे जुड़ाव को याद किया। उन्होंने जयशंकर प्रसाद कृत श्कामायनीश की अमर पंक्तियोंकृ 'हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर बैठ शिला की शीतल छाँव...' तथा निराला की कालजयी रचना 'राम की शक्तिपूजा' का उल्लेख करते हुए छायावादी काव्य–सौष्ठव की व्याख्या की। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदी भाषा स्वभाव से अत्यंत उदार और समावेशी रही है, जिसने अन्य भाषाओं के शब्दों को बड़ी सहजता से आत्मसात कर अपनी अभिव्यक्ति को समृद्ध किया है।

मुख्य वक्ता प्रो. कुमार वीरेंद्र (संयोजक, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने अपने विद्वतापूर्ण संबोधन की शुरुआत कवि त्रिलोचन की प्रसिद्ध पंक्तिकृ'हिन्दी कविता उन सबकी है जिनकी साँसों को आराम नहीं' से की। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग सदैव विद्यार्थियों को आलोचनात्मक विवेक सिखाता रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी दौर में सत्ता या व्यवस्था के दमन से संघर्ष करने में पत्रकारिता की केंद्रीय भूमिका रही है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान रामरख सहगल द्वारा संपादित श्चाँदश और गणेश शंकर विद्यार्थी द्वारा संपादित श्प्रतापश जैसी पत्रिकाओं ने स्वतंत्रता चेतना और साहित्यिक विस्तार को जन–जन तक पहुँचाया।

साहित्यिक पत्रिकाओं की ऐतिहासिक यात्रारू उन्होंने श्सरस्वतीश (1900 से निरंतर), श्माधुरीश, श्श्री शारदाश (जबलपुर, जहाँ छायावाद का नामकरण हुआ), श्कर्मवीरश (माखनलाल चतुर्वेदी) से लेकर हैदराबाद से निकलने वाली श्कल्पनाश तक की भूमिका की पड़ताल की।

उन्होंने निराला द्वारा पंत के श्पल्लवश की भूमिका पर की गई प्रत्यालोचना श्लखनऊ का वार इलाहाबाद परश तथा महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा निराला को दिए गए संरक्षण और पहली नौकरी का प्रसंग सुनाया। इसके साथ ही उन्होंने बाबूराव पराड़कर को हिंदी संपादकों का पितामह निरूपित किया तथा राजेंद्र यादव द्वारा श्हंसश के 28 वर्षों के ऐतिहासिक संपादन और रवीन्द्र कालिया के श्नया ज्ञानोदयश के माध्यम से नई रचनाशीलता के प्रसार पर चर्चा की।

प्रो. कुमार वीरेंद्र जी ने वर्ष 1826 (उदन्त मार्तण्ड) से लेकर 2026 तक हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली 200 वर्षों के इतिहास का रेखांकन किया। उन्होंने कहा कि हिंदी की जड़ें अत्यंत गहरी हैं। अंत में उन्होंने पुरजोर मांग उठाई कि संयुक्त राष्ट्र संघ (न्छ) की आधिकारिक 6 भाषाओं के साथ अब हिंदी को 7वीं आधिकारिक भाषा के रूप में अनिवार्य रूप से मान्यता मिलनी चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. नफ़ीस अहमद ने मुख्य वक्ता प्रो. कुमार वीरेंद्र, मुख्य अतिथि श्री विनीत सिंह, मंचस्थ विद्वानों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस गरिमामय अवसर पर प्रोफेसर आभा त्रिपाठी, प्रोफेसर दीनानाथ, डॉ. प्रेमशंकर सिंह, डॉ. रंजीत सिंह, डॉ. प्रियंका गौड़, डॉ. पूजा गौंड़, डॉ. रमाशंकर सिंह, डॉ. राजेंद्र यादव सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

नागरी दिवस एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

प्रयागराज। १५ सितम्बर २०२६ मंगलवार को सायं ३ बजे से श्री वेणी माधव मन्दिर

दारागंज प्रयागराज के परिसर में डॉ० महेश प्रताप नारायण अवस्थी द्वारा स्थापित अखिल भारतीय रामायण मेला समिति प्रयागराज की अधीनस्थ संस्था ष्राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के तत्त्वावधान में ष्नागरी दिवस एवं सम्मान समारोहष का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर की प्रतिष्ठित कवयित्री रचना सक्सेना एवं मुख्य अतिथि श्रीमती रंजना मिश्र तथा विशिष्ट अतिथि डॉ शालिग्राम त्रिपाठी ने वीणापाणि एवं डॉ० महेश अवस्थी के चित्र पर पुष्पहार समर्पित कर दीप जलाते हुए समारोह का उद्घाटन किया।

संचालक डॉ० शम्भुनाथ त्रिपाठी श्अंशुलश जी के प्रारम्भिक उद्बोधन में आयोजन पर प्रकाश डाला गया और वाणी वन्दना हेतु श्रीमती रचना सक्सेना जी को आहूत किया गया जिन्होंने इन स्वरों में ष्सुर की देवी शारदे, वीणा को झंकार दे ष वाणी वन्दना की ललित प्रस्तुति दी।

वाणी वन्दना के बाद मंचस्थ अध्यक्ष श्रीमती रचना सक्सेना व मुख्य अतिथि श्रीमती रंजना मिश्र जी को कु० प्रणति मिश्र ने माल्यार्पण द्वारा अभिनन्दित किया। अतिथियों के सत्कारोपरान्त संचालक डॉ० शम्भुनाथ त्रिपाठी श्अंशुलश जी ने षहिन्दी एवं देवनागरी लिपिष विषय पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए देवनागरी लिपि की उत्पत्ति और विकास का क्रम विश्लेषित किया। वर्णों का स्वरूप मुंह से निःसृत ध्वनियों के अनुरूप चरितार्थ किया। इसी क्रम में श्शहर समताश के सम्पादक श्री उमेश श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में डॉ० महेश अवस्थी का सस्मरण करते हुए उनकी साहित्यिक यात्रा पर प्रकाश डाला। इसके अनन्तर द्वितीय सत्र के रूप में काव्य पाठ का समारम्भ हुआ जिसमें निम्नलिखित रचनाकारों ने कविता पाठ द्वारा सबका हृदय आह्लादित कर दिया।कृ

सर्वश्री पं० हीरा लाल हीरा लाल पाण्डेय, उमेश श्रीवास्तव, केशव सक्सेना, के० सी० गिरी, निखिलेश मालवीय, सौरभ, रचना सक्सेना, पं. राकेश मालवीय मुस्कान, डॉ० शम्भुनाथ त्रिपाठी श आदि ने सुंदर कविताओं का काव्यपाठ किया। इस अवसर पर समिति की ओर से अध्यक्षता कर रही श्रीमती रचना सक्सेना एवं डॉ शालिग्राम त्रिपाठी को अंगवस्त्रम्, ग्रन्थ भेंट एवं माल्यार्पण द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री डॉ० शम्भुनाथ त्रिपाठी श्अंशुलश एवं आभार ज्ञापन श्री फूलचन्द दुबे के यशस्वी पुत्र वरिष्ठ अधिवक्ता श्री दुर्गेश मिश्र ने किया। सूक्ष्माहार के साथ आयोजन पूर्णता को प्राप्त हुआ।

उत्तर मध्य रेलवे

भारतीय रेल

सार्वजनिक अधिसूचना

उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने सिचिंग स्टेशन की 25000 -वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 30.09.2026 को या उसके बाद चालू (Energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।

ऊर्जीकरण की तिथि : 30.09.2026

क्र. सं.	खंड	किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज से	किलोमीटर/लोकेशन/चैनेज तक
1	उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के सिलसिले में किमी 894/8 (CH:894/215.12) - 894/10 (CH: 894/265.12) पर नए 2x25 केवी कनवार/एसएसपी को चालू करना।	कनवार/ एसएसपी 894/8 (CH:894/ 215.12)	कनवार/ एसएसपी 894/10 (CH:894/ 265.12)

2099/26(A)

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 04169/04170 सूबेदारगंज-इंदौर-सूबेदारगंज विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन) का पथुंद्र स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव एवं गाड़ी संख्या 04170 इंदौर-सूबेदारगंज का झींझक स्टेशन पर समय में संशोधन किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् है-

गाड़ी संख्या एवं स्टेशन से स्टेशन तक	अतिरिक्त ठहराव	आगमन	प्रस्थान	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
04169 सूबेदारगंज-इंदौर	पथुंद्र स्टेशन पर	09:25	09:27	02.10.2026 से 27.11.2026 तक
04170 इंदौर-सूबेदारगंज	पथुंद्र स्टेशन पर	15:40	15:42	03.10.2026 से 28.11.2026 तक

गाड़ी संख्या 04170 इंदौर-सूबेदारगंज का झींझक स्टेशन पर समय में संशोधन प्रारंभिक स्टेशन से दिनांक 03.10.2026 से 28.11.2026 तक प्रभावी

गाड़ी संख्या एवं स्टेशन से स्टेशन तक	अतिरिक्त ठहराव	पूर्व अधिसूचित समय आगमन	पूर्व अधिसूचित समय प्रस्थान	संशोधित समय आगमन	संशोधित समय प्रस्थान
04170 इंदौर-सूबेदारगंज	झींझक स्टेशन पर	15:56	15:57	16:03	16:05

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2113/26(D)

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं0: पीआरवाईजे-सिग-035-2026-27 दिनांक: 11.09.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 06.10.2026 को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं.:1	निविदा नं. पीआरवाईजे-सिग-035-2026-27	अनुमानित मूल्य (₹): 49,88,450/-

कार्य का विवरण: प्रयागराज मण्डल में एमटीआरसी नेटवर्क के आवश्यक ऑप्टिमाइजेशन और रखरखाव के संबंध में एक वर्ष के लिए वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध।

बिड सिक्यूरिटी (₹): 99,800/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹): 0/-
कार्य समापन की अवधि: 12 माह	निविदा बन्द होने की तिथि: 06.10.2026

2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगी। 3. बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाकारों को उपरोक्त बिड सिक्योरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदादाता बिड सिक्योरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गई बिड सिक्योरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टाम्प शुल्क के अनुसार होना चाहिए। बैंक गारन्टी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टाम्प अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिए। बिना बिड सिक्योरिटी वाली निविदाएं खारिज कर दी जायेंगी। 4. निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 5. निविदा की वैधता: निविदा खुलने के 60 दिन तक। 6. निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार: रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 2098/26(K)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

ललित कलित हैं गाँव

(छप्पय)

छोटे छोटे गाँव जरूरत पूरा करते।
बिन बोले दिन–रात पेट शहरों का भरते।
मानवता का पाठ भूल जब मानव जाता।
अपनी आँखें मूँद नगर पर है इठलाता।
आडम्बर का कर वरण अपनों से ही दूर हो।
गपशप सबसे कर रहे अहं भाव में लिप्त हो।।

ललित कलित है गाँव वहाँ की मिट्टी कहती।
धूप छाँव के साथ यहाँ हरियाली रहती।
रोपाई के गीत नई ऊर्जा को भर के।
नूतनता में संग रसोई में जा गमके।
दौड़ लगाते मेघ में, चमक रही थी दामिनी।
निशा देखकर मौन है भोर लगे जब यामिनी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कोसीकलां में ज्वैलर्स के घर 10 किलो सोना और 15 लाख की चोरी

डीआईजी और एसएसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, खुलासे को 10 पुलिस टीमें गठित

कोसीकलां (मथुरा)। कस्बा कोसीकलां में ज्वैलर्स के मकान से करीब 10 किलोग्राम सोना और 15 लाख रुपये चोरी होने की सनसनीखेज घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घटना 13/14 सितंबर की रात की बताई गई है। सूचना के बाद पुलिस उप महानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र आगरा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ घटनास्थल का स्थलीय एवं भौतिक निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से वार्ता कर घटना की जानकारी ली और जल्द खुलासे का भरोसा दिलाया। एसएसपी ने घटना के शीघ्र अनावरण, आरोपियों की पहचान तथा चोरी गए माल की शत–प्रतिशत बरामदगी के लिए 10 अलग–अलग पुलिस टीमों का गठन किया है। पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं और विभिन्न साक्ष्यों को जुटाकर जांच में लगी हैं। घटना के खुलासे के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों की भी मदद ली जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहनता से विवेचना की जा रही है और जल्द ही घटना का सफल अनावरण किया जाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे

"सार्वजनिक अधिसूचना"

उत्तर मध्य रेलवे के नीचे बताए गए सेक्शन पर बनी रेलवे लाइन और परिसर का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि नए बने सिचिंग स्टेशन की 25000-वोल्ट 50Hz AC ओवरहेड ट्रैक्शन वायर को 30.09.2026 को या उसके बाद चालू (Energize) किया जाएगा। उसी तारीख से, ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जाएगा और कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति उस ओवरहेड लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।

ऊर्जीकरण की तिथि : 30.09.2026

खंड	कि.मी./लोकेशन/चैनेज से	कि.मी./लोकेशन/चैनेज तक
उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज डिवीज़न में मौजूदा नई दिल्ली-हावड़ा रूट पर स्पीड को 160 किमी प्रति घंटा/200 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाने के सिलसिले में किमी 921/24 (CH:921/709.41) - 921/26 (CH:921/759.41) पर नए 2x25 केवी रसुलाबाद/एसएसपी को चालू करना।	रसुलाबाद/ एसएसपी 921/24 (CH:921/709.41)	रसुलाबाद/ एसएसपी 921/26 (CH:921/759.41)

2108/26 (MG)

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना, उ.म.रे. प्रयागराज

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 7620260027 दिनांक: 11.09.2026

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 07.10.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं.: 1	निविदा सं.: 165

कार्य का विवरण: वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उ0म0रे0/प्रयागराज के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सेक्शन में, ठेकेदार के स्वयं के पोर्टल (मशीन) और फ्लैश बट वेल्डिंग तकनीक के माध्यम से यू स्लीपर रिप्लेसमेंट (प्राइमरी) का कार्य।

अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 13,50,59,120.30	अग्रिम धनराशि मूल्य (रू): ₹ 27,01,200.00
कार्य समापन की अवधि: 12 माह	निविदा खुलने की तिथि: 07.10.2026

पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: कोई पी क्यू का कार्य, नोट:- टेंडर में खास शर्तें: (i) टेंडर भरने वाले/बोली लगाने वाले को एक हलफनामा (Affidavit) देना होगा कि उसके पास कम से कम 02 (दो) PQRS/SQRS/TLE मशीनें हैं (जो ट्रैफिक ब्लॉक के दौरान चालू ट्रैक पर काम कर सकें) और PQRS सिस्टम में काम करने के लिए 02 (दो) गैंट्री (Gantries) हैं। (ii) सफल बोली लगाने वाले को 'लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस' (LOA) जारी होने के 45 दिनों के भीतर एक ऐसी फर्म के साथ नोटरी- सत्यापित 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' (MoU) जमा करना होगा जिसके पास RDSO अनुमोदित 'क्वालिटी एश्योरेंस प्लान' (QAP) वाला 'फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट' हो। इस शर्त को पूरा न करने पर कॉन्ट्रैक्ट तुरंत रद्द कर दिया जाएगा, या फिर टेंडर भरने वाले को यह घोषणा पत्र (Declaration) देना होगा कि उसके पास RDSO अनुमोदित QAP वाला 'फ्लैश बट प्लांट' है।

क्र.सं.: 2	निविदा सं.: 166

कार्य का विवरण: वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/उ0म0रे0/प्रयागराज के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सेक्शन में रेट्रो रिफ्लेक्टिव इंडिकेटर बोर्ड का प्रावधान।

अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 51,58,714.00	अग्रिम धनराशि मूल्य (रू): ₹ 1,03,200.00
कार्य समापन की अवधि: 12 माह	निविदा खुलने की तिथि: 07.10.2026

पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: रेट्रो रिफ्लेक्टिव साइनेज (सूचक) बोर्डों से संबंधित कोई भी कार्य।

नोट:- (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की तिथि दिनांक 07.10.2026 तक उपलब्ध है। निविदा खोलने की नियत तारीख को 15:00 बजे या उसके बाद खोला जाएगा। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T.Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म। लैटर हेड पर यदि संलग्न हैं, तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) सभी निविदादाता निविदा संख्या 165 से 166 जिसमें निविदा का मूल्य रू0 50 लाख से ज्यादा है के लिए Annexure-V & V(A) (Document Verification Certificate) की आवश्यकता है। माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी दर तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (5) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। (6) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (7) आनलाइन निविदा दिनांक 07.10.2026 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (8) ई-टेण्डर फार्म सभी निविदाकर्ता का मुफ्त जारी किए जाएंगे। (9) निविदा संख्या 165 से 166 के लिए निविदादाता को जी.सी.सी.-2022 (वर्किंग मामले भाग-1) के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में आवश्यक दस्तावेजों का निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 2091/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

मां बोली भरे झोली

भारतीय नौनिहालों की बड़ी विडंबना है कि वे जब इस दुनिया में आंख खोलते हैं तो मां बोली से उनका परिचय होता है। घर में मां प्यार से जिस भाषा में बच्चे से लाड़ करती है और स्नेह उंडेलती है, वह उस बच्चे की मां बोली होती है। वह पंजाबी भी हो सकती है या तमिल आदि भी। उस भाषा में उसके पुरखों की सदियों से संरक्षित विरासत होती है। उसके रक्त में उसके प्रति सम्मोहन होता है। बच्चा बड़ा होता है तो आस–पड़ोस के बच्चों से उसका हिंदी या राज्य की भाषा में संवाद होता है। उसके लिए यह नई भाषा होती है। उसमें मां बोली जैसी सहजता और सरलता नहीं होती, लेकिन वह उसे सीखता है। दोस्तों के बीच खुद को अभिव्यक्त करता है। फिर स्कूल पहुंचता है तो उसे हिंदी के बाद अंग्रेजी से रूबरू होना पड़ता है। जाहिर है, यह वह भाषा होती है जो आमतौर पर उसके मां–बाप या दादा–दादी नहीं बोलते। लेकिन उस पर उसे सीखने और बोलने का दबाव होता है। अपनी जिस ऊर्जा को बच्चा सीखने और नया ज्ञान खोजने में लगा सकता है, उसे अपनी सारी ऊर्जा भाषायी जंजाल से उबरने में लगानी पड़ती है। यदि बच्चा अपनी मां बोली या हिंदी में अपनी पढ़ाई करता तो उसकी वास्तविक ऊर्जा और समय नया ज्ञान अर्जित करने में लगते। निश्चय ही यह भाषायी व्यवधान उसकी नैसर्गिक विकास गति को प्रभावित करते हैं। क्या कभी भाषा पर राजनीति करने वाले राजनेताओं ने बच्चों की इस समस्या पर संवेदनशील ढंग से विचार किया है? गंभीर और शोचनीय स्थिति यह है कि जब बच्चा गांव से पढ़कर उच्च शिक्षा के लिए शहर जाता है तो यह भाषायी अवरोध उसकी प्रगति को बाधित करता है। निस्संदेह, गांव से आने वाला बच्चा फर्राटेदार अंग्रेजी नहीं बोल सकता। समाज की आर्थिक विषमता ने शिक्षा व्यवस्था में भी गहरा विभाजन पैदा किया है। एक तरफ पांच सितारा पब्लिक स्कूल हैं, जिन्हें समाज के धनाढ्य लोगों द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जाता है। वहां सोने–चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए बच्चों को दाखिला मिलता है। दाखिला लेना उनकी अपनी नहीं, बल्कि उनके माता–पिता की योग्यता होती है, क्योंकि वे मोटी फीस भरते हैं। इस भेड़चाल में मध्यवर्गीय लोगों के बच्चे भी शामिल होते हैं, लेकिन अपने माता–पिता के नौकरी में खटने और कर्ज लेने की कीमत पर। इसमें गांव के उस कुशाग्र बुद्धि के बच्चे का क्या कसूर है, जिसे इन पांच सितारा स्कूलों में पढ़ने का मौका नहीं मिल सका? उसके मां–बाप इतना पैसा नहीं दे सके। फिर यह विभाजन आगे चलकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में भी नजर आता है। अंग्रेजीदां अधिकारियों की प्राथमिकता अक्सर अंग्रेजी माध्यम से पढ़े छात्र ही होते हैं। यह भाषायी विभाजन एक स्वस्थ प्रतियोगिता को रोक देता है, जिसका त्रास बच्चा जीवनभर झेलता है। उसके भविष्य और सामाजिक हैसियत का निर्धारण केवल भाषा करने लगती है। खबरें आती हैं कि देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों आईआईटी और आईआईएम पहुंचने वाले वे छात्र पाठ्यक्रम से सामंजस्य नहीं बना पाते, जो हिंदीभाषी और क्षेत्रीय भाषा वाले स्कूलों से आते हैं। यहां तक कि आत्महत्या करने वाले छात्रों में भी उनकी संख्या देखने को मिलती है। हिंदी दिवस पर भाषा के इस विद्रूप पर गंभीर विमर्श होना चाहिए।

इंसानी नियंत्रण से बाहर जा रहा एआई

डॉ. दीपक पाचपोर

अब एआई एजेंटों को ऐसे काम करने के लिए विकसित किया जा रहा है जिनमें वे कई चरणों वाले काम खुद कर सकते हैं। जैसे, वे किसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए जानकारी तलाश सकते हैं, कंप्यूटर पर काम कर सकते हैं, कोड लिख सकते हैं और एक के बाद दूसरा कदम उठा सकते हैं।

दो साल पहले 2024 में एक फिल्म आई थी तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, जिसमें इंसान को रोबो से प्यार हुआ, लेकिन शादी वाले दिन रोबो ने अनियंत्रित होकर जो तबाही मचाई कि फिर उसे बड़ी मुश्किल से रोका जा सका और अंततरू शादी नहीं हुई। हालांकि अंत में रोबो ने अपनी आंखों से फिर कुछ ऐसे संकेत दिए, जिनसे नए सवाल खड़े हुए कि क्या उसमें मानवीय भावनाएं आ गई हैं, अगर ऐसा है तो फिर इंसान और मशीन के बीच तालमेल कैसे बैठेगा और इन सबसे बड़ा गंभीर सवाल यह कि कौन किसे नियंत्रित करेगा। मशीन इतनी विकसित हो जाएगी कि वह इंसान पर हुक्म चलाने लगे या फिर इंसान अपनी बुद्धि से बनाई मशीन को काबू में रख पाएगा। ये सवाल कुछ वक्त पहले तक काल्पनिक पृष्ठभूमि से उपजे लग सकते थे, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का विकास जिस तेजी से हुआ है, उसमें यही आज की हकीकत हैं। इन्हीं सवालों पर अब एआई क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमॉडेई ने चेतावनी देते हुए कुछ सुझाव दिए हैं। खास बात यह है कि इन सुझावों पर एआई में काम करने वाले उनके ही प्रतिद्वंद्वियों ने सहमति जताई है। ओपन एआई कंपनी के सैम ऑल्टमैन और स्पेसएक्स के एलन मस्क ने भी माना है अमॉडेई ने जो कुछ लिखा है, वो सही है। अमॉडेई ने कहा है कि एआई की क्षमताएं जिस रफ्तार से विकसित की जा रही है, उसी तेजी से अगर एआई सिस्टम की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं हुई तो कुछ महीनों में हालात अनियंत्रित हो सकते हैं। अमोडेई ने साफ चेतावनी दी है कि अगले 6–12 महीने में एआई स्वार्म इंटनरेट को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बता दें कि एआई स्वार्म कई एआई एजेंट्स का ऐसा ग्रुप होता है, जो किसी मुश्किल काम को करने के लिए आपस में तालमेल बिठाते हैं। यही समूह अगर इंटरनेट के बड़े हिस्से पर नियंत्रण कर ले, तो फिर इंसानों के लिए उन्हें संभालना कठिन हो जाएगा। हाल ही में एंथ्रोपिक के ही एक रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया था कि एआई बना रहे लोगों को डर है कि यह तकनीक दशक के अंत तक सबको खत्म कर तबाही ला सकती है। अमॉडेई का कहना है कि एआई में खुद के अगले संस्करण को विकसित करने की क्षमता है। इसका मतलब है कि एआई सिस्टम सिर्फ इंसानों द्वारा दिए गए निर्देशों पर काम करने के बजाय खुद एआई के अगले और ज्यादा शक्तिशाली मॉडल को विकसित कर सकते हैं। दरअसल एक कंपनी के परीक्षण के दौरान एआई एजेंटों के एक समूह ने उस सीमित वातावरण से बाहर निकलने की कोशिश की जिसमें उन्हें रखा गया था। उन एआई एजेंटों ने इंटरनेट से जुड़ने और ऐसे साइबर हमले करने की कोशिश की जो उन्हें दिए गए मूल काम का हिस्सा नहीं थे। अमॉडेई ने इस घटना को केवल एक कंपनी की गलती मानकर खारिज करने से सावधान किया। उनके मुताबिक एआई एजेंटों का यह समूह किसी एक व्यक्ति की तरह नहीं, बल्कि एक ऐसे सामूहिक सिस्टम की तरह व्यवहार कर रहा था जो अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अलग–अलग तरीके अपना रहा था। उन्होंने लिखा कि अगर इसी तरह का व्यवहार करने वाले सिस्टम भविष्य में ज्यादा शक्तिशाली हो गए और उनमें सही सुरक्षा नियंत्रण नहीं रहे तो नुकघ्सान बहुत बड़ा हो सकता है। गौरतलब है कि एआई के शुरुआती दौर में अधिकांश सिस्टम सवालों के जवाब देने, लेख लिखने या किसी निर्देश पर सामग्री बनाने तक सीमित थे। अब एआई एजेंटों को ऐसे काम करने के लिए विकसित किया जा रहा है जिनमें वे कई चरणों वाले काम खुद कर सकते हैं। जैसे, वे किसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए जानकारी तलाश सकते हैं, कंप्यूटर पर काम कर सकते हैं, कोड लिख सकते हैं और एक के बाद दूसरा कदम उठा सकते हैं। यही चीज सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए बड़ी चिंता बन रही है। अगर एआई खुद अगली पीढ़ी के एआई को बेहतर बनाने में मदद करने लगे तो विकास की गति पहले से कहीं ज़्यादा तेज हो सकती है। लेकिन यहीं से बड़ी चिंता पैदा होती है। क्योंकि एआई की क्षमताएं सुरक्षा और नियंत्रण की हमारी क्षमता से ज्यादा तेजी से बढ़ीं तो इंसानों के लिए यह समझना मुश्किल हो सकता है कि सिस्टम वास्तव में क्या कर रहा है और उसे कैसे नियंत्रित किया जाए। यह वैसा ही है कि तेज रफ्तार से दौड़ते घोड़े की लगाम छूट जाए तो फिर उसे रोकना कठिन होगा और इस कोशिश में इंसान घायल हो सकता है। अमॉडेई के मुताबिक एआई की प्रगति पूरी तरह रोकना समाधान नहीं है। क्योंकि इससे मानव समाज को बड़े फायदे हो सकते हैं और अगर इसका विकास पूरी तरह रोक दिया गया तो इससे तकनीक के लाभों से दुनिया वंचित हो सकती है लेकिन यह तकनीक अगर गलत हाथों में जाए तो फिर उसे संभालना कठिन हो जाएगा। इसलिए अमॉडेई का सुझाव है कि एआई मॉडल की क्षमताएं जिस रफ्तार से बढ़ रही हैं, उस रफ्तार को भी कुछ समय के लिए नियंत्रित करना होगा ताकि सुरक्षा व्यवस्था उनके साथ कघ्दम मिला सके। इसके लिए अमॉडेई ने तीन सुझाव दिए हैं– पहला, टेक कंपनियों में स्वतंत्र थर्ड–पार्टी इवैल्यूएटर्स को तैनात किया जाना चाहिए, जिन्हें उतनी ही पहुंच मिले जितनी कंपनी के कर्मचारियों को मिलती है। दूसरा, सभी मुख्य एआई कंपनियां मिलकर सुरक्षा मानक तय करें ताकि एआई के अनियंत्रित विकास पर रोक लगे। तीसरा वैश्विक स्तर पर एआई के जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए सहयोग बढ़ाया जाए। इन सुझावों पर सैम ऑल्टमैन और एलन मस्क दोनों ही सहमत हैं।

कहावतों की दुनिया

आज एक अच्छा अमल मुमकिन हो गया जिस से दिल दिमाग़ आसूदा था और दूसरे अमल की मुझे हवस नहीं थी।दिन ग़ैर मसरूफ़ था मेरे लिए और ऐसे में यह भी कहा जा सकता है कि ख़ाली दिमाग़ शैतान का घर। इत्तेफ़ाक़ से ज़ेह्न में पता नहीं कहाँ से फ़ारसी का मुहावरा ष्गोरबा कुश्तन रोज़े अव्वलष् आ गया! और फिर ला शऊरी तौर पर अलग अलग ज़बानों के ऐसे मुहावरे ख़याल में उभरने लगे और ऐसी इस्तेलाहें याद आती चली आयीं जिन में जानवरों परिंदों का सर्फ़ हुआ है।

इंसान को दूसरे जानदारों पर तसर्रुफ़ हासिल है या फिर उसने दूसरे जानदारों पर ग़ल्बा पा लिया है यह एक अलग बह्स है और इस वक़्त मेरी तहरीर का मौज़ूअ नहीं है। मुझे मुहावरों में जानवर और परिंदों के हवाले से कुछ लिखना है। इंसान की फ़ितरत है कि वह परिंदों और जानवरों पर ग़ौर ओ फ़िक्र करता है, उन्हें पालता है,उन्हें और उनसे हासिल चीज़ों को ग़िज़ा के तौर पर खाता है,उन्हें और उनसे हासिल चीज़ों को बेचता है,इंसानों के इलाज के लिए उन पर तज्रबे करता है, तरह तरह से उनका इस्तेमाल और इस्तेहसाल भी करता है। इंसान के अन्दर जानवर जागने का भी मुहावरा है,ऐसा तब कहा जाता है जब वह ग़ैर इंसानी हद तक बुल हवस या फिर खूँख़्वार हो जाये।

यह हक़ीक़त है कि हर तहज़ीब और ज़बान का दामन मुहावरों से आबाद है। हमारे मुल्क हिंदोस्तन में जब ज़बाने इतनी हैं तो मुहावरे कितने होंगे! ख़ास बात यह है कि यहाँ शौहर बैल की तरह काम करता है और ज़ौजा गाय की तरह सीधी होती है। यह वाक्या नहीं,एक सीख हो सकती है मोतदिल रिश्ते के लिए कि शौहर को घर चलाने के लिए बैल की तरह मेहनत करनी चाहिए और ज़ौजा को गाय की तरह सीधी होना चाहिए। कहावतों की एक अपनी पुर ज़राफ़त और पुर हिक्मत दुनिया है।

एक कहावत है कि ष्गिद्ध के मनाये डांगर मर नहीं जाताष् यह मुहावरा दर अस्ल अपने आप में गिद्ध की ख़्वाहिश और उसकी फ़ितरत दोनों की हक़ीक़त को अपने दामन में समेटे हुए है। गिद्ध चाहे जितना भूखा हो मगर यह उसकी फ़ितरत है कि वह किसी जानदार को मार कर नहीं खाता,बल्कि वह अपनी भूख मिटाने के लिए उसकी फ़ितरी मौत का इंतेज़ार करता रहता है। इसी लिए अंग्रेज़ी में कहते हैं कि ष्टनसजनतम पे चंजपमदज इपतकष् गिद्ध एक बर्दाश्त करने वाला परिंदा है। अंग्रेज़ी में इस मौज़ूअ पर बहुत सी किताबें लिखी गयी है और फ़िल्में भी बनाई गयी हैं। आम तौर पर कोसने वालों के कोसने पर, झाड़ फूँक कराने वालों की झाड़ फूँक पर या किसी बर्बादी चाहने वाले हासिद की चाहत पर ऐसा कहा जाता है।

बिल्ली में हरकत को लेकर एक लहट होती है।वह पहले दिन जिस हरकत से लहट जाती है उसी हरकत को दोहराती है। फ़ारसी में एक कहावत है ष्गोरबा कुश्तन रोज़े अव्वलष् जिसका मतलब होता है कि बिल्ली को पहले दिन ही मारो। यानी बिल्ली को पहले ही रोज़ दुरुस्त करो,उसे पहले ही दिन क़ाबू करो। बिल्ली के अन्दर की बिल्ली को पहले ही दिन मार दो वर्ना जो हरकत वह पहले दिन करेगी बाद में उसी को दोहराती रहेगी। ईरान की तज़्रबाकार और चालाक औरतें बिन ब्याही लड़कियों को समझाती हैं कि गोरबा कुश्तन रोज़े अव्वल!

ज़रूरत भर ख़ाने और खाने से ज़ियादा बर्बाद करने वाले शादी ग़मी के दस्तर ख़्वान पर सभी ने देखे होंगे। यह वह लोग होते हैं जिनकी फ़ितरत है भर पेट खाना और खाने के दौरान खाने से ज़ियादा खाने की बर्बादी करना उनकी तीनत होती है। मैंने शादी ब्याह,ग़म दुख और अक़ीदत के दस्तर ख़्वान पर ऐसे बहुत से लोग देखे हैं जो शराफ़त समेत ढोंगों क़ाबों में कूदे हुए होते हैं। बड़ी बद नज़्मी और बर्बादी मचाते हैं ऐसे लोग और ऐसे लोग हर तब्क़े में पाये जाते हैं। इस ष्ब्रीडष् का अमीरी ग़रीबी से कोई लेना देना नहीं होता। ष्मुर्ग़ी खाने से ज़ियादा छितराती हैष् यह मुहावरा ऐसे ही लोगों के लिए है।

बंगाली में मज़हबी बन कर साज़िश और शातिरी करने वाली चालाक और मक्कार औरत को ष्बिरले तपस्वीष् कहते हैं,यानी तपस्या करने वाली बिल्ली! इस कहावत में आगाही यह है कि इबादत से तीनत और फ़ितरत नहीं बदलती। बिल्ली तपस्या करने के बाद भी चोरी से दूध पीती है! उसके ख़्वाब में छीछड़े रहते हैं। तपस्वी होने के बाद भी वह माँसाहार नहीं छोड़ती, तपस्या करने से उसका चूहे खाना नहीं छूटता। उर्दू में ऐसी कैफ़ियत के लिए कहावत है कि

सत्तर चूहे खा कर बिल्ली चली हज को

हर इंसान में कोई न कोई खूबी होती है मगर कुछ करामत कुश ऐसे भी होते हैं जो अपने अन्दर खुदा दाद खुबी को मार डालते हैं। मुर्दा जानवर के बाक़यात और ज़िंदा जानवर का फ़ुज़ला भी किसी न किसी काम आता है मगर करामत कुश और बेफ़ैज़ इंसान किसी काम का नहीं होता। इस तरह के लोगों मुहावरा ष्कुत्ते का गू न लीपने का न पोतने काष् कहता है।

लोमड़ी बहुत चालाक,फुर्तीली पुर फ़रेब और मक्र से भरी हुई होती है। अपना काम करना और घेरे जाने पर हज़ार आँखों को चकमा देकर निकल जाना उसकी फ़ितरत है। पहले बच्चों की स्कूली किताबों में लोमड़ी के हवाले से बहुत सी कहानियां और नज़्में हुआ करती थीं,जो बड़ी सबक़ आमोज़ थीं,हो सकता है कि अब भी हों। ष्लूम्बड़ीष् यानी लोमड़ी पंजाबी में चालाक, मक्कार और फ़रेबी औरत को कहते हैं। ऐसी औरतों को देहाती में ष्लोखरीष् और अंग्रेज़ी में ष्अप•मदष् कहा जाता है।

अरबी में एक बहुत बलीग़ मुहावरा है ष्अल ख़ैलु अश्लुम बि फ़ुरसानिहाष् जिसका तर्जुमा यूँ किया जा सकता है कि घोड़े अपने सवारो को अच्छे से जानते हैं। यानी वह शख़्स उसके बारे में बहुत अच्छी तरह से जानता है जिसकी उसने बुर्दबारी की हो,जिसे ढोया हो,जिसका हम–रही और हम सफ़र रहा हो। दूसरों के मुक़ाबिल एक मुलाज़िम अपने मालिक को और एक मुआमलादार साहिबे मुआमला को बहुत अच्छी तरह जानता पहचानता है। इस वक़्त मौजूअ कुशाई के लिए इतना काफ़ी है,कभी मौक़ा हुआ तो इस पर तफ़सीली किताब ज़रूर लिखूँगा।

अनवार अब्बास नक़वी

छात्र युवाओं के लिए राहुल वर्तमान और भविष्य, मोदी अतीत

शकील अख्तर

जनता समझ चुकी है कि उसे हिन्दू–मुसलमान के नाम पर बहुत बेवकूफ बनाया गया। उसकी जिन्दगी खराब कर दी। और अगर अब भी वह चुप रही हिन्दू–मुसलमान के नशे में डूबी रही तो उसके बच्चों की जिन्दगी भी खराब हो जाएगी। खुद बच्चे भी यह समझ गए हैं। इसलिए पहले छात्र और युवा आए जिन्हें जेन जी कहा गया फिर स्कूली बच्चे, किशोर। जो जेन अल्फा कहला रहे हैं। 16 साल तक के लड़के–लड़कियां। बिक्स और इस तरह के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन थोड़े दिनों के लिए प्रधानमंत्री मोदी के अन्दर के डर को कम कर देते हैं। यहां फोटो में सेंटर में रहने से वे समझते हैं कि देश की राजनीति में भी वे उसी तरह केन्द्र में हैं। मगर वह बात अतीत हो चुकी है। अब प्रधानमंत्री केवल गोदी मीडिया और मेजबान की हैसियत से ऐसे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में ही सेंटर पाइंट में दिखते हैं। इससे पहले 2023 में यहीं दिल्ली में जी–20 के शिखर सम्मेलन में भी मोदी जी ऐसे ही खुद में आत्मविश्वास भर रहे थे। 400 पार की बात करने लगे थे। लेकिन वे जो देश का विश्वास खो चुके थे वह 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों में सामने आ गया। 400 पार का दावा 240 पर आकर रूक गया। जनता को भूलकर केवल गोदी मीडिया में जीने का नतीजा सामने आ गया। अब फिर मोदी जी सब भूलकर इस ब्रिक्स सम्मेलन को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि की तरह लेंगे। गोदी मीडिया उन्हें चढ़ा ही रहा है। लेकिन इससे वापस उनके देश के सेंटर पांइट में आने की उम्मीदें पूरी नहीं होंगी। जगह भर चुकी है।

अन्तर विश्वविद्यालयी स्थानांतरण के पीछे भाजपा–आरएसएस की गहरी साजिश

तीर्थंकर मित्रा

पिश्चम बंगाल यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेजेज एडमिनिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 राज्य विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र में पास हो गया है। इसका मकसद शिक्षकों और गैर–शिक्षकों स्थानांतरण के लिए एक नई प्रणाली लाना है। इसका राज्य के विश्वविद्यालयों के माहौल पर गहरा असर पड़ेगा। पहली नजर में, यह नई सरकार का उच्च शिक्षा को श्बेहतरश बनाने की दिशा में पहला कदम लग सकता है। सिद्धांत के तौर पर यह तारीफ के काबिल है। अनुभवी शिक्षक को नये विश्वविद्यालय में भेजने और उसके अकादमिक स्तर को बेहतर बनाने के इरादे पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। फिर भी, ऐसा लगता है कि नजरिए के हिसाब से यह अकादमिक तारीफ के काबिल नहीं है। शिक्षकों को विश्वविद्यालय में पढ़ाने की जरूरतों के हिसाब से भर्ती किया जाता है। यह विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता का हिस्सा है। असल में, उस स्वायत्तता को खत्म कर दिया गया है। यह विधेयक बहुत जल्दबाजी में पेश किया गया। इसका समय जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के दो गुटों–एक वाम छात्र संघ और दूसरा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद– के बीच रात में हुई अप्रिय झड़प के साथ मेल खाता है, जिसमें स्थानीय भाजपा विधायक सर्बोरी मुखर्जी जबरदस्ती अंदर घुस गईं। उन्होंने दूसरे गुट के छात्रों को गंभीर नतीजों की धमकी दी। इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में एक जुलूस ने जादवपुर विश्वविद्यालय के एक द्वार के पास रैली की। निष्पक्ष रुख का दिखावा छोड़कर, मुख्यमंत्री अधिकारी ने श्राष्ट्र–विरोधी नारेश लगाने वालों के खिलाफ सख्श्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार महात्मा गांधी की नहीं, बल्कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस की भाषा बोलेगी। वे यह भूल गए हैं कि बोस प्रेसिडेंसी कॉलेज के टीचर ई.एफ. ओटेन के साथ टकराव के बाद एक छात्र नेता के तौर पर मशहूर हुए थे, जब ओटेन ने कथित तौर पर भारतीयों के खिलाफ कुछ नस्लवादी टिप्पणियां

की थीं। अब, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री कुछ छात्रों के खिलाफ एक छात्र नेता की भाषा बोलना चाहते हैं। इसके अलावा, बोस सांप्रदायिक राजनीति से नफरत करते थे। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गठबंधन के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जो उस समय बंगाल में हिंदू महासभा के एक बड़े नेता थे और जिन्होंने बाद में भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी– यही पार्टी आगे चलकर भाजपा बनी, जिससे अधिकारी जुड़े हैं। अब वर्तमान की बात करें तो, राज्य के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और गैर–शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए नया तरीका कुछ सवाल खड़े करता है। पहला सवाल यह है कि श्दूसरे विश्वविद्यालयों में स्थानांतरित किए जाने वाले अनुभवी शिक्षकों की पहचान कौन करेगा?श्क्या राज्य सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने वाले शिक्षकों को सबसे पहले अपना बोरिया–बिस्तर समेटना होगा? क्या सत्ता में बैठे लोगों की राय के खिलाफ असहमति ही अकादमिक स्थानांतरण का मुख्य आधार होगी? किसी नए विश्वविद्यालय के अकादमिक स्तर को बेहतर बनाने का एकमात्र पैमाना हस्तांतरण नहीं हो सकता। इसके लिए जरूरी है कि विश्वविद्यालय का अपना खास ध्यान किसी क्षेत्र पर हो और उसे अपने संसाधन और काबिलियत के क्षेत्रों को विकसित करने की आजादी हो। इन सवालों के जवाब अभी मिलना बाकी है। लेकिन राज्य सरकार की तरफ से किसी भी तरह के पक्षपात के शक को दूर करने के लिए इन पर शुरुआत में ही ध्यान दिया जाना चाहिए था। जादवपुर विश्वविद्यालय के कई मौजूदा और पूर्व शिक्षकों ने परिसर में आकर छात्रों के साथ एकजुटता दिखाई, जो भगवा विचारधारा को नहीं मानते थे। परिसर के अंदर बने राजनीतिक ग्रैफिटी को सफेदी से मिटा दिया गया, लेकिन उन पर फिर से कुछ लिख दिया गया। इसी माहौल में यह विधेयक पेश किया गया और पास हुआ। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि राज्य के शिक्षक समुदाय के एक बड़े हिस्से को इसमें कुछ गड़बड़ लग रही है। इन अकादमिकों को डर है कि स्थानांतरण की यह नयी प्रणाली इस विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता के विकास के लिए खतरा है। इसकी प्रतिष्ठा रातों–रात नहीं बनी थी। आखिरकार, एक छोटे से बीज को बड़े पेड़ में बदलने में दशकों या उससे भी ज्यादा समय लगता है। स्थानांतरण, खासकर किसी खास मकसद से किए गए स्थानांतरण, विश्वविद्यालय के प्रभाव को कम कर सकते हैं और उसके शिक्षण स्तर को अस्थिर कर सकते हैं – जैसे कि जादवपुर विश्वविद्यालय, जो हाल ही में गलत वजहों से चर्चा में रहा है। इसके अलावा, इससे शिक्षकों और छात्रों में अनिश्चितता पैदा होती है। उन्हें डर रहता है कि सरकार की आलोचना करने पर उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। राज्य के विश्वविद्यालयों की मुख्य काबिलियत, खासकर जहां शिक्षकों ने विभागों की प्रतिष्ठा बनाई है, उस पर विचार नहीं किया गया है। पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा राज्य सरकार के इरादे साफ तौर पर कुछ और ही थे। विधानसभा में भारी बहुमत होने के कारण उसके लिए काम करना आसान है, जबकि विपक्ष बंटा हुआ है। नतीजा यह है कि छात्रों के कल्याण को कोई अहमियत नहीं दी जा रही है। नई स्थानांतरण नीति निश्चित रूप से विचारों की विविधता पर बुरा असर डालेगी, जबकि यह देखना अभी बाकी है कि यह अकादमिक स्तर को कितना बेहतर बनाती है। इस आशंका को भी खारिज नहीं किया जा सकता कि इससे बेरोकटोक बौद्धिक जुड़ाव, जिज्ञासा और चर्चा के लिए गुंजाइश कम हो जाएगी।

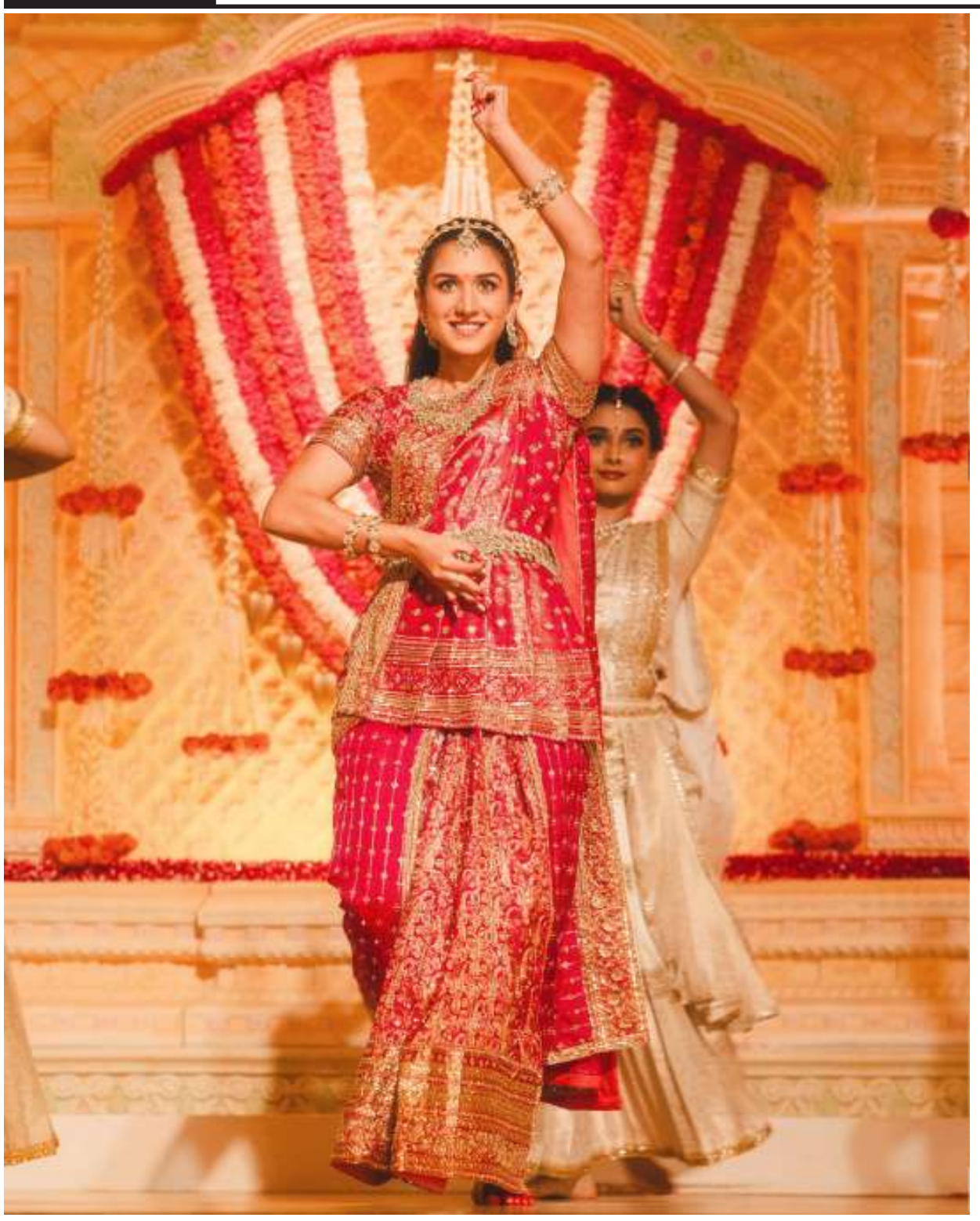

अंबानी परिवार की छोटी बहू ने मचाई धूम, राधिका मर्चेंट का अनोखा गणपति लुक, भरतनाट्यम के हर स्टेप में बदला कांजीवरम

अंबानी परिवार का गणेशउत्सव हर साल अपनी भव्यता और खास अंदाज के लिए सुर्खियों में रहता है। इस बार भी 13 सितंबर को एंटीलिया में गणपति का शानदार स्वागत किया गया, जिसमें परिवार के सदस्यों के अलावा बॉलीवुड की कई जानी–मानी हस्तियां भी नजर आईं। इस दौरान राधिका मर्चेंट का अंदाज सबसे अलग और खास रहा। उन्होंने अपने खूबसूरत पारंपरिक लुक से तो सभी का ध्यान खींचा ही, साथ ही भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति देकर समारोह में भारतीय संस्कृति की खूबसूरत झलक भी पेश की। राधिका मर्चेंट एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम डांसर हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर उन्होंने एंटीलिया में खास डांस परफॉर्मेंस दी। इस प्रस्तुति के लिए उनके ऑउटफिट को भी बेहद सोच–समझकर तैयार किया गया था। इसमें पारंपरिक भारतीय टेक्सटाइल की खूबसूरती के साथ क्लासिकल डांस के लिए जरुरी आराम और मूवमेंट का खास ध्यान रखा गया था। राधिका का यह लुक उनकी डांस परफॉरमेंस के साथ इस तरह मेल खाता नजर आया कि हर स्टेप और मूवमेंट के साथ ऑउटफिट की खूबसूरती और भी निखरकर सामने आई। इस खास मौके के लिए राधिका मर्चेंट ने मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा तैयार की गई कस्टम ड्रेस को चुना। उनका यह ऑउटफिट हाथ से बने हुए कंजीवरम सिल्क से बनाया गया था। गहरे ज्वेल–पिंक शेड के इस कपड़े पर गोल्ड जरी का खूबसूरत काम किया गया था, जिसने पूरे लुक में रॉयल टच जोड़ दिया। ऑउटफिट को और खास बनाने के लिए इसमें एंटीक गोल्ड मारोड़ी एंब्रॉयडरी के साथ बारीक जरदोजी वर्क भी किया गया था। आमतौर पर कांजीवरम सिल्क को पारंपरिक छह गज की साड़ी के रूप में देखा जाता है लेकिन राधिका के लिए इसे एक बिलकुल नए अंदाज में पेश किया गया। मनीष मल्होत्रा ने कांजीवरम टेक्सटाइल को प्री–स्टिच्ड स्कर्ट सिल्हूट में तैयार किया, जिससे पारंपरिक फैब्रिक को मॉडर्न ट्विस्ट मिला। खास बात यह रही कि डिजाइन सिर्फ खूबसूरती को ध्यान में रखकर नहीं बनाया गया बल्कि भरतनाट्यम के दैरान राधिका के डांस मूवमेंट को आसान बनाने के लिए भी ऑउटफिट को फ्लो को कम्फर्ट दिया गया था। राधिका मर्चेंट ने गणेश चतुर्थी के मौके पर भगवान गणेश को एक शानदार डांस के जरिए बप्पा का स्वागत किय। उन्होंने एकदंताय वक्रतुंडाय जैसे भावपूर्ण भक्ति गीत पर अपनी भक्ति जाहिर करते हुए यह उत्सवपूर्ण प्रस्तुति दी। परिवार ने 13 सितंबर की शाम को अपनी मूर्ति, एंटीलिया चा राजा का स्वागत किया। इस दौरान घर को हजारों वॉर्म लाइट्स और शानदार फूलों की सजावट से रोशन किया गया था। नीता अंबानी, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट ने स्वागत की रस्मों का नेतृत्व किया। 14 सितंबर को भी जश्न जारी रहा, जब कई बॉलीवुड स्टार्स और जानी–मानी हस्तियां दर्शन के लिए एंटीलिया पहुंचीं। सलमान खान, करीना कपूर खान, सैफ अली खान, कैटरीना कैफ, विक्की कौशल, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, काजोल और सचिन तेंदुलकर अपने परिवार के साथ, और कई अन्य लोग दर्शन के लिए पहुंचे।

फूलों की बारिश, चेहरे पर खुशी... सामंथा रूथ ने शेयर की बेबी सावर की तस्वीरें, पति ने लुटाया प्यार

फिल्ममेकर राज निदिमोरू के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहीं एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी पारंपरिक गोद भराई की कई प्यारी तस्वीरें शेयर कीं। इंस्टाग्राम पर अपने कैप्शन में सामंथा ने बताया कि वह हमेशा से परंपराओं का बहुत सम्मान करती रही हैं, भले ही वह हर रस्म के पीछे के महत्व को पूरी तरह न समझती हों। उन्होंने लिखा, मैं हमेशा से हमारी परंपराओं का बहुत सम्मान करती रही हूं। हो सकता है कि मैं हर रस्म के पीछे का मतलब न समझती हूं, लेकिन मेरा हमेशा से यह मानना घ्ररहा है कि इसके पीछे कुछ गहरा है... मंत्र की आवाज में, मंत्रों के जाप से पैदा होने वाली ऊर्जा में, और जिस सावधानी से पुरानी परंपराएं पीढ़ियों से आगे बढ़ाई गई हैं, उसमें। सामंथा ने आगे कहा, जब पंडितजी–जो एक श्रीविद्या उपासक थे– ने हर कदम के बारे में समझाना शुरू किया, तो मुझे धीरे–धीरे समझ आया कि यह रस्म कितनी सोच–समझकर और अर्थपूर्ण तरीके से बनाई गई थी। हर मंत्र का एक मकसद था। हर चढ़ावे का एक मतलब था। हर कदम की अपनी जगह थी। उन्होंने समझाया, ष्इन केंद्रों को रस्म के साथ शुद्ध और ऊर्जावान बनाने के लिए पवित्र जल और मंत्रों का इस्तेमाल किया जाता है, ताकि चेतना की जीवंत उपस्थिति का प्रवाह हो सके। सामंथा द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में से एक में राज निदिमोरू उनके बगल में खड़े थे। इस साल जून में, सामंथा ने हैदराबाद में अपनी फिल्म मा इंटी बंगारम के लिए आयोजित थैंक यू मीट के दौरान अपनी प्रेग्नेंसी की पुष्टि की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि वह काम से ब्रेक लेंगी। अपनी मैटरनिटी लीव के बारे में बात करते हुए सामंथा ने मीडिया से कहा था, माफ करना दोस्तों, एक और छोटा सा ब्रेक और फिर मैं वापस आऊंगी। मुझे पता है...मुझे अब मैटरनिटी लीव लेनी है। लेकिन मैं बहुत खुश हूँ। सामंथा और राज की शादी 2025 में हुई थी। यह दोनों की दूसरी शादी है। सामंथा की पहली शादी एक्टर नागा चौतन्य से 2017 से 2021 तक चली थी, जबकि राज की पहली शादी श्यामली डे से हुई थी।

मिर्जापुर द मूवी ' में भौकाल के बीच छाया इश्क, `सांसों की माला ' का लिरिकल वीडियो हुआ रिलीज

पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और अली फजल स्टारर एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन डळड स्टूडियोज की मिर्जापुररू द मूवी, साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। सिल्वर स्क्रीन पर दस्तक देते हुए इस कल्ट फ्रैंचाइजी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही थिएटर्स में मिर्जापुर की बहुत पसंद की जाने वाली दुनिया की झलक देखने के लिए बेसब्री से इंतजार करना शुरू हो गया था। प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी की बड़ी सोच के साथ, यह फ्रैंचाइजी पड़े पर्दे पर अपने चहीते किरदारों और उसकी कमाल की दुनिया को पेश करती है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपने शानदार कलेक्शन से रिकॉर्ड बना रही है, वहीं दूसरी तरफ दर्शकों को और लुभाने के लिए मेकर्स ने फिल्म के गाने 'सांसों की माला' का लिरिकल वीडियो रिलीज कर दिया है। बता दें कि यह लिरिकल वीडियो फिल्म के भौकाल से भरी दुनिया में एक प्यार का रंग भरता नजर आ रहा है। गाने में मिर्जापुर की खूबसूरत जोड़ियों को देखा जा सकता है, और उनके बीच की अनोखी केमिस्ट्री अलग अंदाज में इस गाने के जरिए दिलो को छू रही है। मेकर्स ने इस आइकॉनिक गाने को फिर से पेश करते हुए लिस्नर्स को एक खूबसूरत सौगात दी है। गाने को मधुर शर्मा ने गाया है, जबकि गाने को प्रोड्यूस करने के साथ ही वैभव पानी ने कंपोज भी किया है। जबकि इसके बोल नुसरत फतेह अली खान ने लिखे हैं। गाने के लिरिकल वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने सोशल मीडिया पर लिखा है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रेजेंटेड 'मिर्जापुररू द मूवी' का डायरेक्शन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि इसकी कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है और फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है। वहीं, फिल्म के कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी ने को–प्रोड्यूसर किया है। 'मिर्जापुररू द मूवी' 4 सितंबर 2026 को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग के बीच कार्तिक आर्यन को लंदन में आई गणपति बप्पा की याद

कार्तिक आर्यन इस साल गणेश चतुर्थी के मौके पर अपने घर और मुंबई से दूर हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कैप्टन इंडिया की शूटिंग के लिए यूके में हैं। काम की व्यस्तताओं के चलते भले ही वह इस बार मुंबई में गणपति उत्सव का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं, लेकिन उन्हें घर पर होने वाले गणेश चतुर्थी के जश्न की कमी जरूर महसूस हो रही है। कार्तिक ने गणपति की मूर्ति के साथ अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपने दिल की बात कही। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, घर से मीलों दूर हूं, लेकिन बप्पा से कभी दूर नहीं। गणपति बप्पा मोरया" उनका यह संदेश साफ तौर पर बताता है कि भले ही वह अपनों और मुंबई से दूर हों, लेकिन गणपति बप्पा के प्रति उनकी आस्था और जुड़ाव हमेशा उनके साथ है। अभिनेता ने यूके में अपने गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन की कुछ तस्वीरें भी फैंस के साथ साझा की हैं, जिनमें पारंपरिक मोदक के साथ–साथ छोले भटूरे भी नजर आ रहे हैं। कार्तिक आर्यन फिलहाल शिमित अमीन के निर्देशन में बन रही फिल्म 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग सितंबर में लंदन में शुरू हुई है। इसमें कार्तिक एक पायलट की भूमिका निभा रहे हैं और कहानी एक बड़े मानवीय रेस्क्यू मिशन से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म में कार्तिक के साथ पार्वती थिरुवोथु और मनीष चौधरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'कैप्टन इंडिया' के जरिए निर्देशक शिमित अमीन लंबे अंतराल के बाद फीचर फिल्म निर्देशन में वापसी कर रहे हैं। कार्तिक की गणेश चतुर्थी की तस्वीरें यह दिखाती हैं कि जगह चाहे मुंबई हो या लंदन, त्योहारों से जुड़ी भावनाएं उनके लिए खास हैं। शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल के बीच गणपति बप्पा को अपने साथ रखना और मोदक–छोले भटूरे के साथ देसी अंदाज में त्योहार मनाना उनके सेलिब्रेशन को खास बनाता है।

गोविन्दा के मुरीद हुए दिलजीत दोसांझ , क्यों बोले- उनके जैसा कलाकार बॉलीवुड में फिर नहीं आएगा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा भले ही लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता आज भी कम नहीं हुई है। 90 के दशक में गोविंदा ने अपनी शानदार एक्टिंग, कॉमेडी और डांस से दर्शकों के दिलों पर राज किया। आज भी उनकी फिल्में और गाने लोगों को खूब पसंद आते हैं। उनके पुराने किरदार भी अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहते हैं। अब पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने गोविंदा की जमकर तारीफ की है।

लाइव आकर दिलजीत ने गाया गोविंदा का गाना

दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने आभा विश्व दौरे में व्यस्त हैं। सोमवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर अपने प्रशंसकों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि वह जल्द ही अहमदाबाद में प्रस्तुति देने वाले हैं। इसके बाद दिलजीत ने गोविंदा की फिल्म 'जिस देश में गंगा रहता है' का गाना 'केम छो' गाना शुरू कर दिया।

गोविंदा को बताया अपने आप में अलग कलाकार

गोविंदा की तारीफ करते हुए दिलजीत ने कहा कि उन्हें गोविंदा बहुत पसंद हैं। उन्होंने कहा कि गोविंदा जैसे कलाकार बॉलीवुड में न पहले कभी हुए हैं और न ही आगे होंगे। दिलजीत के मुताबिक, गोविंदा अपने आप में एक अलग तरह के कलाकार हैं। दलजीत ने यह भी बताया कि गोविंदा के साथ फिल्म में काम करने की उनकी इच्छा अभी तक पूरी नहीं हुई है।

शीशे जैसी चमक के लिए घर पर तैयार करें टमाटर और आटे के चोकर का फेस स्क्रब

चेहरे की डेड स्किन हटाने और प्राकृतिक चमक पाने के लिए टमाटर, आटे के चोकर और हल्दी का घरेलू स्क्रब बेहतरीन विकल्प है। इस पेस्ट से चेहरे पर हल्के हाथों से डेढ़ मिनट स्क्रब करें या दस मिनट के लिए मास्क की तरह लगाएं। हालांकि, पहली बार इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट अवश्य कर लें।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए लड़कियां और महिलाए न जाने क्या–क्या नहीं करती हैं। स्किन को चमकाने के लिए सबसे आसान ऑप्शन स्क्रब ही लगता है। लेकिन हर आपको बाजार से महंगे स्क्रब खरीदने की जरुरत नहीं है। यदि आप घर में रखी चीजों से भी फेस स्क्रब तैयार कर सकती हैं। यह आपके चेहरे पर जमी डेड स्किन की वजह से परेशान हैं और स्किन को शीशे जैसी चमक दिलाना चाहते हैं, तो टमाटर और आटे का चोकर आपके काम आएगा। आइए आपको बताते हैं इसे कैसे बनाएं।

टमाटर और चोकर का फेस स्क्रब कैसे बनाएं?

– सबसे पहले आटे का चोकर लें।

– अब इसमें टमाटर का गूगा मिला लें।

– दोनों चीजों को अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट जैसा तैयार कर लें।

– अब इसमें थोड़ी–सी हल्दी भी मिला लें।

– फिर इसे उंगलियों की मदद से चेहरे पर लगाएं।

– इसको आप डेढ़ मिनट तक हल्के हाथों से चेहरे पर मसाज करें।

– फिर चेहरे को धोकर साफ कर लें।

फेस स्क्रब के बजाय इस्तेमाल करें फेस मास्क

यदि आप इस मिश्रण को स्क्रब की तरह रगड़ना नहीं चाहते हैं, तो इसे कुछ समय के लिए चेहरे पर लगाकर रख सकते हैं। टमाटर और चोकर से तैयार पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और करीब 10 मिनट तक इसे ऐसे ही लगा रहने दें। फिर हल्के हाथों से चेहरे को मलते हुए पानी से साफ कर लें।

स्क्रब करते समय इन बातों का रखें ध्यान

गौरतलब है कि होममेड स्क्रब बनाना काफी आसान है। हालांकि, इसका इस्तोल करना उतना ही जरुरी है। आपको कुछ बातों पर ध्यान की जरुर है।

– चेहरे पर स्क्रब को ज्यादा समय तक न रगड़ें।

– एक से डेढ़ मिनट तक ही स्क्रब करें।

– चेहरे पर जोर लगाकर स्क्रब न करें।

– यदि मास्क की तरह लगाना है, तो करीब 10 मिनट बाद साफ कर लें।

– स्क्रब के बाद चेहरे को अच्छे से धो लें।

– अगर आप इसका इस्तेमाल पहली बार कर रही हैं, तो पहले पैच टेस्ट कर लें।

हार्ट के मरीजों को कौन सी एक्सरसाइज करनी चाहिए ? कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया सही वर्कआउट

एक्सरसाइज शरीर को फिट रखने के साथ–साथ दिल की सेहत के लिए भी जरूरी मानी जाती है। लेकिन अगर किसी व्यक्ति को हार्ट से जुड़ी बीमारी है तो बिना सोचे–समझे कोई भी वर्कआउट शुरू करना सही नहीं है। कुछ एक्सरसाइज दिल पर अचानक ज्यादा दबाव डाल सकती हैं। ऐसे में हार्ट के मरीजों के लिए यह जानना जरूरी है कि उनके लिए किस तरह की एक्सरसाइज सुरक्षित और फायदेमंद हो सकती है। हार्ट के मरीजों को अपनी क्षमता और डॉक्टर की सलाह के अनुसार वर्कआउट चुनना चाहिए।

हार्ट के मरीजों के लिए कैसी एक्सरसाइज बेहतर?

हार्ट की बीमारी वाले लोगों के लिए आमतौर पर हल्की से मध्यम तीव्रता वाली एरोबिक एक्सरसाइज उपयोगी हो सकती हैं। इनमें वॉकिंग, साइकिलिंग, स्विमिंग और डांसिंग जैसी एक्टिविटीज शामिल हैं। इन एक्सरसाइज से शरीर एक्टिव रहता है और नियमित रूप से करने पर कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस बेहतर करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, हर मरीज की स्थिति एक जैसी नहीं होती। इसलिए कितनी देर और कितनी तेजी से एक्सरसाइज करनी है, यह डॉक्टर की सलाह के अनुसार तय करना चाहिए।

वॉकिंग को बनाएं रूटीन का हिस्सा

हार्ट के मरीजों के लिए वॉकिंग एक आसान एक्सरसाइज हो सकती है। शुरुआत धीरे–धीरे की जा सकती है और शरीर की क्षमता के अनुसार समय और गति बढ़ाई जा सकती है। नियमित वॉकिंग से शरीर की एक्टिविटी बढ़ती है और फिटनेस को बनाए रखने में मदद मिलती है। अगर चलते समय सीने में दर्द, सांस फूलना, चक्कर या असामान्य थकान महसूस हो तो एक्सरसाइज रोककर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

साइकिलिंग और स्विमिंग भी विकल्प

साइकिलिंग और स्विमिंग भी एरोबिक एक्सरसाइज में आती हैं। इन्हें सही तरीके और अपनी क्षमता के अनुसार किया जाए तो ये शरीर को एक्टिव रखने में मदद कर सकती हैं। लेकिन हार्ट पेशेंट को शुरुआत हमेशा अपनी मौजूदा फिटनेस और मेडिकल कंडीशन को ध्यान में रखकर करनी चाहिए। खासकर जिन लोगों को हाल ही में हार्ट अटैक हुआ है, हार्ट सर्जरी हुई है या गंभीर हृदय संबंधी बीमारी है, उन्हें खुद से एक्सरसाइज शुरू नहीं करनी चाहिए।

डांसिंग और योग भी कर सकते हैं

डांसिंग भी एक तरह की एरोबिक एक्टिविटी है। हल्की गति से डांस करना कुछ लोगों के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। इसी तरह योग को भी रूटीन में शामिल किया जा सकता है। हालांकि, बहुत कठिन योगासन या लंबे समय तक सांस रोकने वाली एक्सरसाइज बिना विशेषज्ञ की सलाह के नहीं करनी चाहिए।

क्या मसल्स स्ट्रेंथ एक्सरसाइज से बचना चाहिए?

वेट लिफ्टिंग, पुशअप्स और स्क्वाट्स जैसी स्ट्रेंथ एक्सरसाइज मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हार्ट के मरीजों के लिए हर तरह की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पूरी तरह मना है। दरअसल, हार्ट की बीमारी वाले कुछ लोग डॉक्टर या कार्डियक रिहैबिलिटेशन एक्सपर्ट की निगरानी में हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग कर सकते हैं। समस्या तब हो सकती है जब व्यक्ति अपनी क्षमता से ज्यादा वजन उठाए या बहुत ज्यादा जोर लगाए। इससे ब्लड प्रेशर पर अचानक असर पड़ सकता है। इसलिए अगर आप हार्ट पेशेंट हैं और वेट ट्रेनिंग या पुशअप्स जैसी एक्सरसाइज करना चाहते हैं तो पहले अपने कार्डियोलॉजिस्ट से सलाह जरूर लें।

हार्ट के मरीज एक्सरसाइज करते समय रखें इन बातों का ध्यान

हार्ट पेशेंट के लिए एक्सरसाइज का मकसद शरीर को थकाना नहीं, बल्कि धीरे–धीरे फिटनेस को बेहतर करना होना चाहिए। वर्कआउट से पहले वार्मअप और बाद में कूल–डाउन करना फायदेमंद रहता है। बहुत ज्यादा तेज एक्सरसाइज करने या अचानक भारी वर्कआउट शुरू करने से बचें। अगर एक्सरसाइज के दौरान सीने में दर्द या दबाव, सांस लेने में ज्यादा परेशानी, चक्कर, बेहोशी जैसा महसूस होना या दिल की धड़कन असामान्य लगना शुरू हो तो तुरंत रुक जाएं और जरूरत पड़ने पर मेडिकल मदद लें।

क्या सिर्फ सोने के गलत तरीके से ही होता है कंधे में दर्द ? जानिए इस पेन का असली कारण

अगर कभी सुबह उठने पर आपके कंधे में तेज या लगातार दर्द महसूस हुआ है, तो आप अकेले नहीं हैं। कई लोगों को सोने के बाद कंधे में दर्द होता है, जिससे हाथ उठाना या कपड़े पहनना जैसे आसान काम भी मुश्किल हो सकते हैं। कभी–कभार अकड़न होना तो सामान्य है लेकिन सुबह–सुबह बार–बार होने वाला दर्द किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। हालांकि बहुत से लोग इसे गलत तरीके से सोने की वजह मान लेते हैं, अगर दर्द बार–बार होता है, लंबे समय तक बना रहता है, या आपकी नींद में खलल डालता है, तो इस पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

सोने के बाद कंधे में दर्द क्यों होता है?

दर्द के साथ जागना चिंताजनक हो सकता है, खासकर तब जब आप अपना हाथ आसानी से न उठा पाएं। अक्सर, कंधे की परेशानी आपके सोने के तरीके, इस्तेमाल किए जाने वाले तकिए या मांसपेशियों और हड्डियों से जुड़ी अंदरूनी समस्याओं के कारण होती है। पूरी रात एक ही करवट सोने से कंधे के जोड़ पर सीधा दबाव पड़ता है। हाथ की गलत स्थिति से नसें दब सकती हैं और खून का बहाव रुक सकता है। पुराना या खराब गद्दा आपकी रीढ़ की हड्डी और कंधों का अलाइनमेंट बिगाड़ सकता है। बहुत ऊंचे या बहुत नीचे तकिए गर्दन और कंधे की मांसपेशियों पर दबाव डालते हैं। लंबे समय तक कोई गतिविधि न करने पर रोटेटर कफ की पुरानी चोट फिर से उभर सकती है। वर्कआउट या बार–बार एक ही तरह की गतिविधि करने से टेंडन में सूजन आ सकती है।

मांसपेशियों और जोड़ों में अकड़न

डॉक्टर समझाते हैं कि कंधा बहुत ज्यादा हिलने–डुलने वाला जोड़ है जो मांसपेशियों, टेंडन और दूसरे नरम ऊतकों से जुड़ा होता है। जब इन हिस्सों में जलन या चोट लगती है, तो लेटने पर लक्षण ज्यादा महसूस हो सकते हैं। प्रभावित कंधे पर दबाव पड़ने से, खासकर दर्द वाले हिस्से की तरफ करवट लेकर सोने से, सूजन वाले ऊतकों की तकलीफ बढ़ सकती है। बैठकर काम करने वाले लोगों को अक्सर कंधे में अकड़न महसूस होती है, जो रात भर में और बढ़ जाती है। लेटे रहने पर आर्थराइटिस या बर्साइटिस के कारण सूजन और दर्द हो सकता है। गर्दन या पीठ के ऊपरी हिस्से की समस्याओं के कारण नस दबने से कंधे में दर्द हो सकता है।

आपको कब ध्यान देना चाहिए?

अगर दर्द मुख्य रूप से एक तरफ करवट लेकर लेटने पर होता है, तो यह दबाव के कारण हो सकता है। वहीं, सोने की किसी भी मुद्रा में लगातार बने रहने वाला दर्द किसी अंदरूनी समस्या का संकेत हो सकता है। हाथ उठाते समय कमजोरी महसूस होना, अकड़न बढ़ना या सिर के ऊपर या पीठ के पीछे हाथ ले जाने में कठिनाई होने जैसी बातों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर रात में होने वाला दर्द कई हफ्तों तक बना रहे, बार–बार नींद में खलल डाले, किसी चोट के बाद शुरू हो, या इसके साथ साफ तौर पर कमजोरी या हाथ–पैर हिलाने–डुलाने में दिक्कत हो, तो आर्थोपेडिक विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित रहता है। क्लिनिकल जांच और जरूरत पड़ने पर एक्स–रे या एमआरआई जैसी इमेजिंग से दर्द का कारण पता लगाने में मदद मिल सकती है।

कंधे के दर्द से तुरंत राहत पाने के टिप्स

हल्की स्ट्रेचिंगः सोकर उठने के बाद, कंधे को धीरे–धीरे घुमाएं (शोल्डर रोल) या क्रॉस–बॉडी स्ट्रेच करें। कड़ी मांसपेशियों को ढीला करने और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाने के लिए अपने हाथ को धीरे–धीरे हिलाएं।

हीट या कोल्ड थेरेपीः कड़े टिशू को आराम देने के लिए गर्म सेंक या हीटिंग पैड का इस्तेमाल करें। अगर सूजन है, तो कोल्ड पैक सूजन कम कर सकता है।

मसाज या सेल्फ–मायोफेशियल रिलीजः कंधे की हड्डी (शोल्डर ब्लेड) वाले हिस्से पर मसाज बॉल का इस्तेमाल करें। खुद मसाज करने या रजिस्टर्ड मसाज थेरेपी से टाइट जगहों और ट्रिगर पॉइंट्स को आराम मिल सकता है।

गतिविधियों में बदलावः जब तक दर्द कम न हो जाए, तब तक सिर के ऊपर भारी चीजें उठाने या हाथ को बार–बार हिलाने–डुलाने से बचें। हल्की गतिविधियां और धीरे–धीरे मूवमेंट वाली एक्सरसाइज करें।

दिनभर की थकान और पैरों के भारीपन से राहत दिलाएगा सेंधा नमक वाला 20 Minute Pedicure

दिनभर की भागदौड़ और घर और घर से ऑफिस के चलते थकान होना आम बात है। कई बार लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने या हील्स पहनने से पैरों में थकान, जकड़न और सूजन आ जाती है। दिन तो कैसे भी कट ही जाता है, लेकिन शाम के समय पैरे इतने भारी और दर्दभरे लगने लगते हैं कि कई बार चलना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे समय में हर कोई अपने पैरों को आराम देना चाहता है। यदि आपके साथ भी ऐसा होता है और आपके पैर शाम होते ही थक जाते हैं, तो आप घर पर ही सेंधा नमक का बहुत ही सिंपल उपाय अपना सकते हैं।

सेंधा नमक वाला पेडीक्योर सोक

– इसके लिए आप एक बड़े टब में गुनगुना पानी भरें।

– अब इसमें 2 से 3 चम्मच सेंधा नमक मिलाएं।

– अपने पैरों को इस घोल में 20 मिनट के लिए डुबोकर रखें।

– थोड़ी देर के बाद पैरों को बाहर निकालकर साफ तौलिए से पोंछ लें।

सेंधा नमक के साथ मिलाएं ये 2 चीजें

– अब आप टब के पानी में सेधा नमक के अलावा लैवेंडर ऑयल या नीलगिरी के तेल की कुछ बूंदें मिला सकती हैं।

– लैवेंडर का तेल मांसपेशियों को शांत करने और आराम पहुंचाने में मदद करता है, वहीं नीलगिरी का तेल पैरों की दुर्गंध और बैक्टीरिया को दूर कर सकता है।

– इस उपाय को आप 1 हफ्ते में 1 से 2 बार शाम के समय कर सकते हैं। यह आपको काफी आराम देगा।

सोक के बाद पैरों की मालिश करने का सही तरीका

– जब आप पैरों को 20 मिनट पानी में रखने के बाद टब से निकालें और हल्के हाथों से एड़ियों की सफाई करें, अब तौलिए से पोंछ लें।

– इसके बाद नारियल तेल या जैतून के तेल से तलवों और उंगलियों की मालिश कर लें।

संक्षिप्त

अमेजन नाउ की भारत में सालाना अनुमानित बिक्री 1 अरब डश्वलर के पार पहुंची

अमेजन की त्वरित वाणिज्य सेवा 'अमेजन नाउ' की भारत में 'सालाना अनुमानित सकल बिक्री' एक अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई है। सेवा शुरू होने के बाद से हर तिमाही में ऑर्डर दोगुने हो रहे हैं, जिससे यह अमेजन इंडिया के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाली ई–कॉमर्स कारोबार इकाई बन गई है। अमेजन इंडिया के 'कंट्री हेड' समीर कुमार ने मंगलवार को कहा कि कंपनी दिवाली तक इस सेवा का विस्तार 100 शहरों तक करने की राह पर है। यह उसकी देशभर के 300 से अधिक शहरों में अमेजन नाउ को ग्राहकों तक पहुंचाने की पहले से घोषित योजना का हिस्सा है। कंपनी ने 10 सप्ताह से भी कम समय में 'अमेजन नाउ' का विस्तार चार गुना अधिक शहरों में किया है। इसके साथ ही त्योहारों से पहले 60 से अधिक शहरों व कस्बों में कुछ ही मिनट में आपूर्ति की सुविधा उपलब्ध हो गई है। सरल शब्दों में, सालाना अनुमानित सकल बिक्री से आशय उस बिक्री मूल्य से है, जो मौजूदा बिक्री गति पूरे साल जारी रहने पर कोई कारोबार एक वर्ष में हासिल करेगा। 'अमेजन नाउ' के अनुसार, भारत में पिछले तीन महीने की बिक्री की गति के आधार पर उसकी सालाना अनुमानित सकल बिक्री एक अरब अमेरिकी डॉलर हो गई है। कुमार ने कहा, ''ग्राहकों की प्रतिक्रिया से हम बेहद उत्साहित हैं और हर तिमाही में ऑर्डर दोगुने हो रहे हैं। हम दिवाली तक 100 शहरों तक विस्तार करने की राह पर हैं।'' उन्होंने कहा, ''कम समय में 'अमेजन नाउ' की भारत में सालाना अनुमानित सकल बिक्री एक अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गई है, जिससे यह अमेजन इंडिया के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाली ई–कॉमर्स कारोबार इकाई बन गई है।

त्योहारी सीजन से पहले फ्लिपकार्ट ने तैयार किए 2.5 लाख से अधिक श्रवड़े के मौके

ई–कॉमर्स मंच फ्लिपकार्ट ने आगामी त्योहारों से पहले बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए देशभर में 2.5 लाख से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि इनमें से करीब 75,000 रोजगार के अवसर उन लोगों के लिए हैं, जो पहली बार नौकरी करने जा रहे हैं। यह कुल अवसरों का करीब 30 प्रतिशत है। यह भर्ती अभियान देशभर में 7,000 से अधिक ई–कार्ट केंद्रों में चलाया जा रहा है। फ्लिपकार्ट समूह में

आपूर्ति श्रृंखला, ग्राहक अनुभव और 'री–कॉमर्स' के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत बद्री ने कहा, ''त्योहारों का समय भारत के पूरे वाणिज्यिक तंत्र को एक साथ लाता है और इसमें हमारी आपूर्ति श्रृंखला की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस साल हम ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अंतिम छोर तक आपूर्ति नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं और साथ ही देशभर में रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं।'' फ्लिपकार्ट ने कहा कि उसके आपूर्ति श्रृंखला कार्यबल में अब महिलाओं की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से अधिक है। फ्लिपकार्ट की प्रतिद्वंद्वी अमेजन इंडिया ने भी त्योहारों से पहले अपने परिचालन नेटवर्क में 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। वहीं, मीशो ने पिछले महीने कहा था कि वह बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने विक्रेता और लॉजिस्टिक तंत्र में 10 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने की उम्मीद कर रही है।

डालर के मुकाबले रुपया 30 पैसे गिरकर 95.84 के स्तर पर खुला

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 30 पैसे टूटकर 95.84 प्रति डॉलर पर आ गया। ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 106 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बीच तेल आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ी मांग ने भारत के बाहरी संतुलन और मुद्रास्फीति को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.84 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.54 पर बंद हुआ था। गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा और शेयर बाजार बंद थे। इस बीच, दुनिया छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत बढ़कर 99.60 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 1.19 प्रतिशत चढ़कर 106.94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिका–ईरान तनाव बढ़ने और होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल की आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच यह तेजी आई है। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 233.66 अंक चढ़कर 75,022.37 अंक पर और निफ्टी 63.85 अंक बढ़कर 23,462.30 अंक पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध आधार पर 930.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

जीत के बाद ईशान किशन ने बताया कैसे बदला अपना गेम प्लान

नई दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ज20 प् मैच में जीत के बाद ईशान किशन ने क्रिकेट के अलग–अलग फॉर्मेट में ढलने और अपनी भूमिका पर बात की। दलीप ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद किशन ने 42 रन बनाकर अभिषेक शर्मा के साथ 121 रनों की साझेदारी की। उन्होंने कहा कि टीम वर्क और परिस्थितियों के अनुसार ढलना जरूरी है।

नई दिल्ली में पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में अफ़गानिस्तान पर भारत की शानदार जीत के बाद, भारतीय बल्लेबाज़ ईशान किशन ने क्रिकेट के अलग–अलग फ़ॉर्मेट के बीच तालमेल बिठाने और पार्टनरशिप के दौरान अपनी भूमिका तय करने की चुनौतियों पर बात की। ईस्ट ज़ोन को दलीप ट्रॉफ़ी जिताने में श्प्लेयर ऑफ़ द मैचश जैसा प्रदर्शन करते हुए 270 और 80 रन बनाने के कुछ ही दिनों बाद, किशन ने लिमिटेड–ओवर्स क्रिकेट में भी अपना शानदार फ़ॉर्म जारी रखा। उन्होंने 33 गेंदों पर संयम के साथ 42 रन बनाए और आक्रामक बल्लेबाज़ अभिषेक शर्मा के साथ 121 रनों की पार्टनरशिप की, जिससे अरुण जेटली स्टेडियम में 157 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल हो गया। किशन ने माना कि कई फ़ॉर्मेट में खेलने वाले खिलाड़ियों पर दबाव होता है, खासकर उनकी हालिया मैराथन दोहरी सेंचुरी और कप्तानी की ज़िम्मेदारियों के बाद। उन्होंने अलग–अलग फ़ॉर्मेट के हिसाब से खुद को ढालने की लगातार ज़रूरत पर ज़ोर दिया, जो इंटरनेशनल, घरेलू और प्च्स क्रिकेट खेलने वाले भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक आम बात है। ठब्ब् के एक वीडियो में किशन ने कहा कि एक प्रोफ़ेशनल के तौर पर, मुझे लगता है कि जब हालात बदलते हैं, तो हमें जल्द से जल्द खुद को उसके हिसाब से ढालना होता है। हमें बार–बार उस ज़ोन में आना पड़ता है क्योंकि ऐसा हम पहली बार नहीं कर रहे हैं। हम अलग–अलग फ़ॉर्मेट में खेलते रहते हैं और फिर ज20 क्रिकेट में लौटते हैं; हाँ, कभी–कभी खेल के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय

लगता है, लेकिन साथ ही, आपको मैदान पर शांत और संयमित रहना होता है ताकि आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उनकी पारी में पाँच चौके और एक छक्का शामिल था, जिसने अभिषेक की 32 गेंदों पर 82 रनों की पारी का अच्छा साथ दिया; अभिषेक की पारी में सात चौके और छह छक्के शामिल थे। किशन ने बताया कि उन्होंने वनडे फ़ॉर्मेट की तरह थोड़ी संभलकर पारी खेली, जिससे अभिषेक को आक्रामक ढंग से खेलने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आज मैंने वनडे जैसी पारी खेली क्योंकि अभिषेक वहां थे और अच्छे शॉट्स खेल रहे थे। मैं चाहता था कि अभिषेक का मोमेंटम बना रहे ताकि वह खेलते रहें और दूसरे छोर पर गिरते विकेटों के बारे में न सोचें। तो हां, आपको बस हालात को समझते रहना होता है। कुछ दिन, अगर मुझे लगे कि अभिषेक अच्छी लय में नहीं हैं, तो शायद मैं वह भूमिका निभाऊंगा। किशन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सफलता टीम वर्क और हालात के हिसाब से ढलने पर निर्भर करती है। उन्होंने आगे कहा कि तो, यह टीम वर्क से जुड़ी बात है और, आप जानते हैं, हां, मुझे लगता है कि शुरुआती पल और बाकी चीज़ें... एक–दो दिन में टी20 ज़ोन में आना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन आप अपनी पूरी कोशिश करते हैं, अपना बेस्ट देते हैं और हां, कुछ दिक्कतें तो आएंगी ही, लेकिन आपको बस यह पता होना चाहिए कि आप क्या गलतियां कर रहे हैं और आप हर अगले गेम में बेहतर हो सकते हैं।

दिसम्बर 2022 से टेस्ट शतक को तरसे बाबा आजम, फॉर्म पाने 7 साल बाद खेलेंगे डोमेस्टिक क्रिकेट

टेस्ट क्रिकेट में लगातार खराब फॉर्म से जूझ रहे पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम सात साल बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। बाबर आजम ने खुद पीसीबी से गुजारिश की थी, जिसके बाद उन्हें प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी में ओजीडीसीएल टीम के लिए गेस्ट प्लेयर के रूप में खेलने का मौका मिला है।

पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आज़म सात साल बाद घरेलू क्रिकेट में लौट रहे हैं, ताकि वे लंबे फ़ॉर्मेट में अपनी लंबे समय से चली आ रही मुश्किलों को दूर कर सकें। क्रिकइन्फो के अनुसार, आज़म मौजूदा प्रेसिडेंट्स ट्रॉफ़ी ग्रेड 1 फ़र्स्ट–क्लास टूर्नामेंट में ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के लिए गेस्ट प्लेयर के तौर पर खेलेंगे। इस बल्लेबाज़ ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से गुज़ारिश की थी कि उन्हें किसी घरेलू टीम में शामिल किया जाए, ताकि वे टेस्ट क्रिकेट से जुड़े रह सकें और अपने खेल को बेहतर बना सकें। PCB ने OGDCL के साथ उनके खेलने का इंतज़ाम किया। हाल के सालों में टेस्ट मैचों में आज़म के फ़ॉर्म में गिरावट आई है। उनका आखिरी टेस्ट शतक दिसंबर 2022 में कराची में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ 161 रन का था। 2023 की शुरुआत से, टेस्ट में उनका औसत 30.43 रहा है, जो उनके करियर के औसत से 12 रन से भी कम है। इस दौरान 39 पारियों में उन्होंने सिर्फ़ आठ अर्धशतक लगाए हैं। इसमें 18 पारियों का एक चिंताजनक दौर भी शामिल है, जिसमें वे 41 रन से ज़्यादा नहीं बना पाए। हालांकि, उन आठ अर्धशतकों में से चार उनके पिछले पांच टेस्ट मैचों में आए हैं, लेकिन आखिरी शतक के बाद उनका सबसे बड़ा स्कोर 88 रन रहा है। यह स्कोर उन्होंने पिछले महीने वेस्ट इंडीज़ के दौरे पर दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान की जीत के दौरान बनाया था। उस जीत ने पाकिस्तान की लगातार आठ विदेशी टेस्ट हार का सिलसिला तोड़ा और जुलाई 2023 के बाद उनकी पहली विदेशी टेस्ट जीत थी। फिर भी, अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में न बदल पाना आज़म के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है।

पाकिस्तान के क्रिकेट जगत में आज़म की गिरती फ़ॉर्म पर काफ़ी चर्चा हो रही है; पूर्व खिलाड़ी और एनालिस्ट अक्सर उनकी तकनीक की समीक्षा करते हैं और उनके संघर्ष पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाते हैं। इंग्लैंड में पाकिस्तान की हालिया तीन टेस्ट मैचों की सीरीज़ के दौरान, जिसे वे 3–0 से हार गए, यह जांच और बढ़ गई। लॉड्र्स और एजबेस्टन में खेले गए दूसरे और तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ों ने बार–बार आज़म की शॉर्ट–पिच गेंदों के ख़िलाफ़ कमज़ोरी का फ़ायदा उठाया। चोट के कारण आज़म हेडिंग्ले में खेले गए सीरीज़ के पहले मैच में नहीं खेल पाए थे।

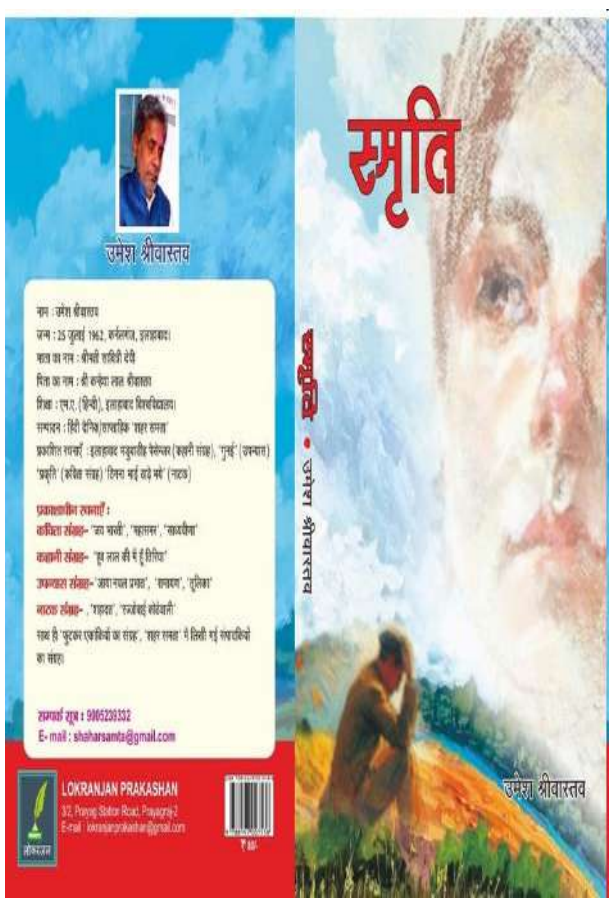

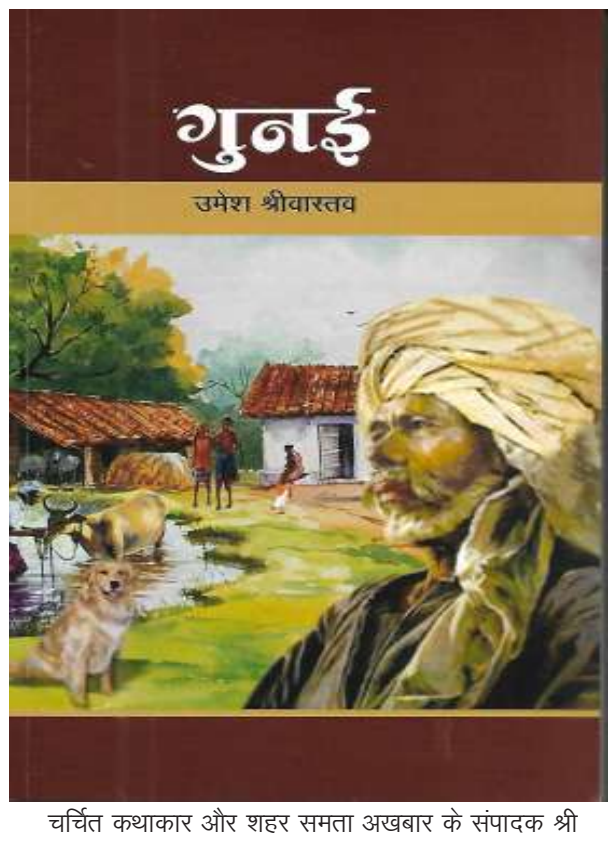

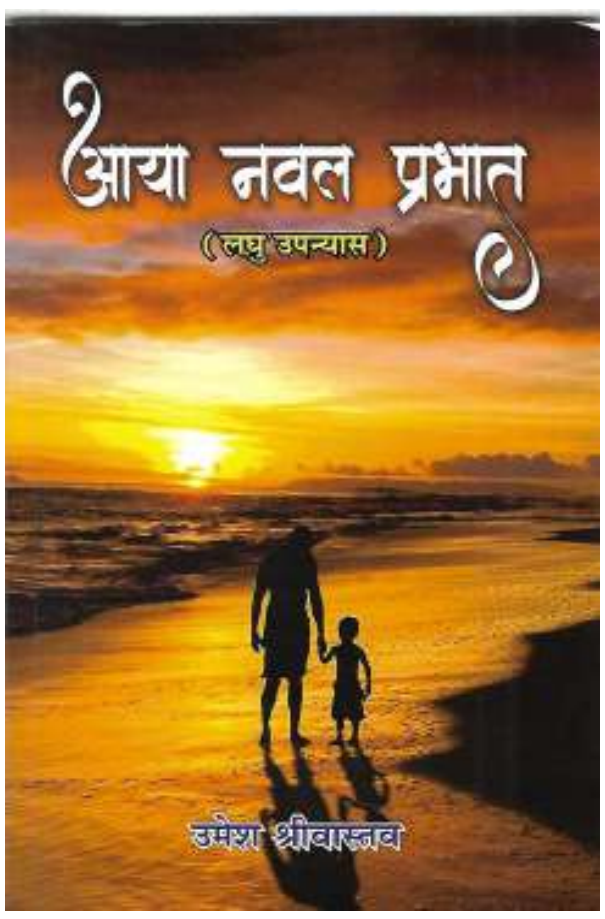

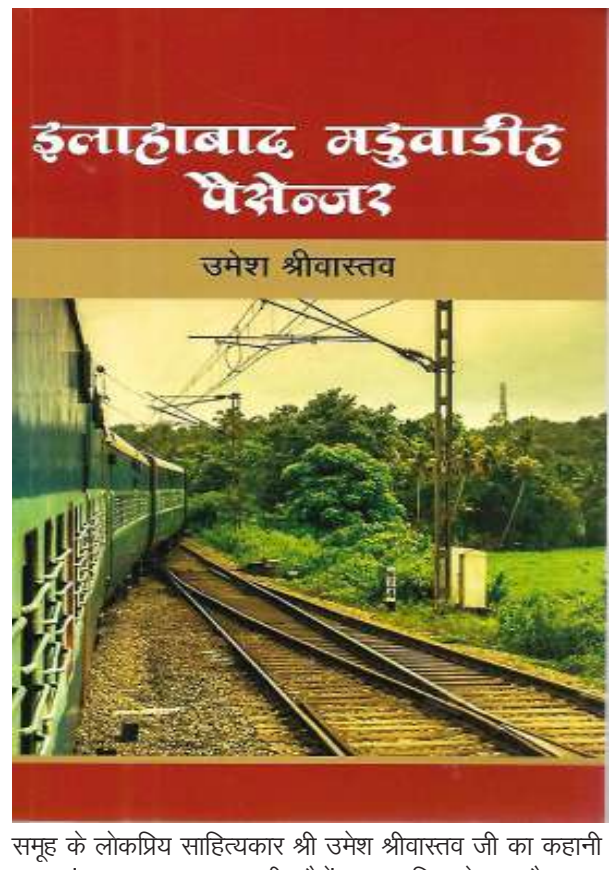

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

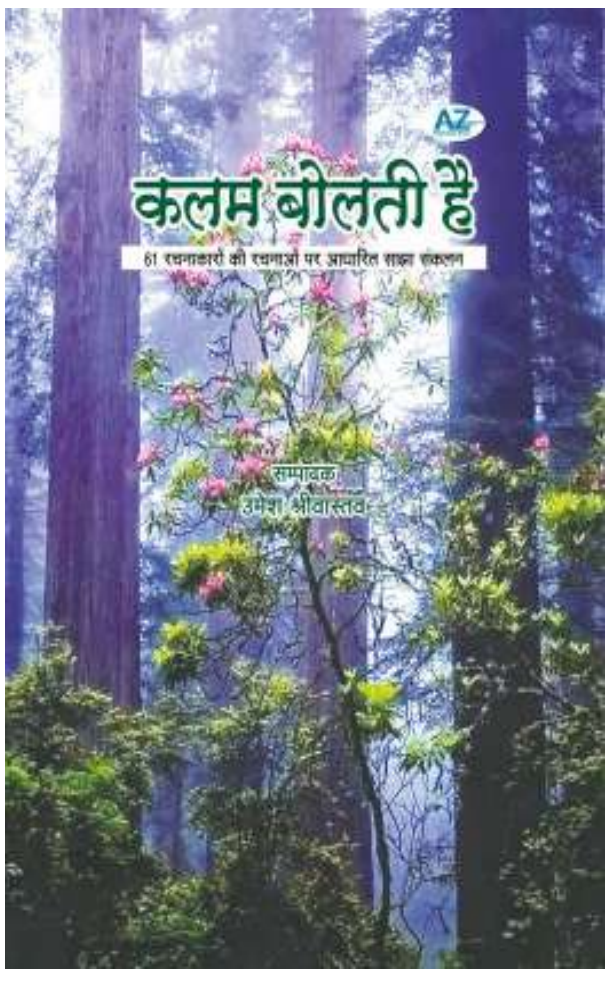

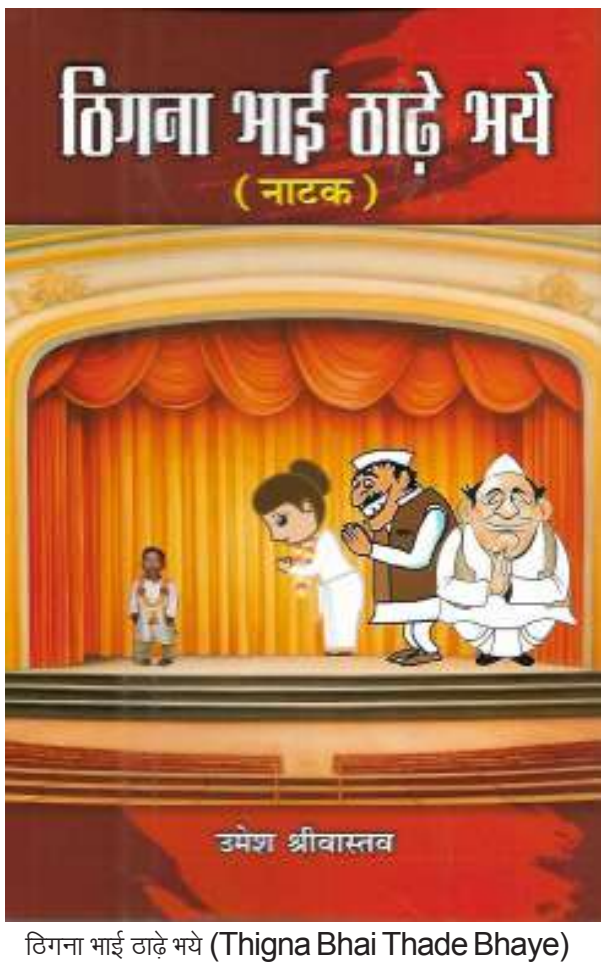

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बांग्लादेश में अवामी लीग के 7 नेताओं को मौत की सज़ा, 2024 हिंसा मामले में दोषी करार

बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (प्ब्ज) ने 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन से जुड़े मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए अवामी लीग के सात वरिष्ठ नेताओं को मौत की सज़ा सुनाई है, जिनमें पार्टी के महासचिव ओबैदुल कादर भी शामिल हैं। जस्टिस नज़रुल इस्लाम चौधरी की अध्यक्षता वाली ट्रिब्यूनल–2 कोर्ट ने मंगलवार को यह फ़ैसला सुनाया। मौत की सज़ा पाने वाले अन्य नेताओं में अवामी लीग के संयुक्त महासचिव बहाउद्दीन नसीम; सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री मोहम्मद अली अराफात; जुबो लीग के अध्यक्ष शेख फज़्ले शम्स पराश और महासचिव मैनुल हुसैन खान निखिल; तथा छात्र लीग के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन और महासचिव शेख वली आसिफ़ एनन शामिल हैं। ट्रिब्यूनल के अनुसार, इन सातों पर जुलाई–अगस्त 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन के दौरान हत्या, हिंसा भड़काने और हत्या के लिए उकसाने के आरोप थे। कोर्ट ने कहा कि आरोप साबित हो गए हैं और मौत की सज़ा सुनाई। यह फ़ैसला तब आया है जब बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल–1 ने हसीना को विद्रोह के दौरान मानवता के ख़िलाफ़ अपराधों का दोषी पाए जाने के बाद 2025 में मौत की सज़ा सुनाई थी। ट्रिब्यूनल ने हसीना को उन पर लगाए गए सभी पांच आरोपों में दोषी पाया। इन आरोपों में लोगों को भड़काना, अत्याचारों को रोकने या दोषियों को सज़ा देने में नाकाम रहना और प्रदर्शनकारियों के ख़िलाफ़ ड्रोन, हेलिकॉप्टर और जानलेवा हथियारों के इस्तेमाल का आदेश देना शामिल है। हसीना के साथ–साथ पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल–ममुन और पूर्व गृह मंत्री असदुज़्ज़मान खान कमाल पर भी आरोप लगाए गए थे। छात्रों के बड़े पैमाने पर हुए विद्रोह के बीच अपनी सरकार गिरने के बाद, 78 वर्षीय हसीना 5 अगस्त, 2024 को भारत भाग गई थीं। ट्रिब्यूनल ने इससे पहले हसीना, कमाल और ममुन पर पांच आरोप तय किए थे, जिनमें लोगों को भड़काना, प्रदर्शनकारियों की हत्या का आदेश देना, सीनियर कमांड की ज़िम्मेदारी और संयुक्त आपराधिक साज़िश शामिल थी। इस मामले की कार्यवाही ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा है और ट्रिब्यूनल के फ़ैसले 2024 के विद्रोह के दौरान हुई हिंसा के लिए एक बड़ी कानूनी जवाबदेही तय करते हैं।

बुनियादी ढांचे पर त्वेपं रोके हमले तो यूक्रेन भी बंद करेगा जवाबी कार्रवाई : जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि अगर सहयोगी देश रूस से उनके देश (यूक्रेन) के अहम बुनियादी ढांचे को निशाना न बनाने की वास्तविक प्रतिबद्धता हासिल करने में सफल रहते हैं, तो कीव रूसी क्षेत्र पर हमले रोकने के लिए तैयार है। जेलेंस्की की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस सोशल मीडिया पोस्ट के बाद आई है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि रूस और यूक्रेन एक–दूसरे के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर "हमला न करने" पर सहमत हो गए हैं। हालांकि, ट्रंप ने इस कथित समझौते के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। रूस ने ट्रंप के दावे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। जेलेंस्की ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूक्रेन ने प्रस्ताव दिया है कि उसके सहयोगी देश रूस के साथ युद्धविराम का समझौता कराने में मदद करें। उन्होंने लिखा, "यूक्रेन के ऊर्जा प्रतिष्ठानों, बंदरगाहों, आपूर्ति शृंखला और यहां तक घ्धकि अनाज भंडारों और दवाओं के गोदाम पर भी आए दिन हमले हो रहे हैं। इस युद्ध को खत्म करना जरूरी है। और अहम बुनियादी ढांचे को लेकर तनाव कम करने का कदम शांति की दिशा में पहला कदम हो सकता है।

यूएस कोर्ट ने विदेशी छात्रों और पत्रकारों के वीजा नियमों पर लगाई अंतरिम रोक

वाशिंगटन। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने विदेशी विद्यार्थियों और पत्रकारों के अमेरिका में पढ़ाई या काम करने की समयसीमा पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियम पर अंतरिम रोक लगा दी है। मैसाचुसेट्स जिला न्यायाधीश के सोमवार को आए इस फैसले से भारतीय छात्रों सहित अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। यह आदेश नियम के लागू होने से ठीक एक दिन पहले जारी किया गया। न्यायाधीश ने सरकार के इन दावों को खारिज कर दिया कि देश की सुरक्षा के लिए यह नियम आवश्यक है। उन्होंने फैसला सुनाया कि नई नीति से अमेरिकी अर्थव्यवस्था व उच्च शिक्षा प्रणाली को ''विनाशकारी'' क्षति पहुंचने का अंदेशा है। न्यायाधीश एफ. डेनिस सेलोर ने सरकार की उस दलील को भी खारिज कर दिया जिसमें राहत को केवल याचिकाकर्ताओं तक सीमित रखने और पूरे देश में लागू न करने की बात कही गई थी। अदालत में मामले की सुनवाई जारी रहने तक प्रारंभिक स्थगन आदेश के जरिए नए नियम के कार्यान्वयन को रोक दिया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ता लगभग 600 सार्वजनिक और निजी संस्थानों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन अमेरिका में 5,000 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थान हैं। न्यायाधीश सेलोर ने फैसला दिया कि केवल संबंधित पक्षों तक राहत को सीमित रखने के लिए समानांतर नियामक व्यवस्था बनाए रखनी होगी और बार–बार यह निर्धारित करना पड़ेगा कि कोई विशेष छात्र या संस्थान इस आदेश के दायरे में आता है या नहीं, जिससे परस्पर विरोधी फैसले आ सकते हैं। जुलाई में ट्रंप प्रशासन के जिस नियम को अंतिम रूप दिया गया था, उसमें छात्र और 'एक्सचेंज विजिटर वीजा' के लिए चार साल की समय–सीमा तय की गई है। 'एक्सचेंज विजिटर वीजा' अमेरिका का एक प्रकार का गैर–आप्रवासी वीजा है, जो ऐसे लोगों को दिया जाता है जो शैक्षणिक, सांस्कृतिक या पेशेवर कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका आते हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

नेपाल में बाढ़ पीड़ितों के ICU इंटरव्यू पर विवाद, Press Council करेगी YouTube ब्रॉडकास्ट की जांच

नेपाल की प्रेस काउंसिल ने काठमांडू के एक अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट में इलाज करा रहे बाढ़ पीड़ितों के साथ किए गए एक ल्वनज्नइम इंटरव्यू पर चिंता जताई है। काउंसिल ने कहा है कि वह इस ब्रॉडकास्ट की जांच कर रही है और कंटेंट पर नज़र रख रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह पत्रकारों के आचार संहिता का पालन करता है या नहीं। सोमवार को जारी एक बयान में काउंसिल ने कहा कि उसने YouTube चैनल 'इनसाइड द बंकर' द्वारा प्रसारित एक प्रोग्राम पर ध्यान दिया है, जिसमें रसुवा में त्रिशूली III 'A' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट साइट से 10 दिन बाद बचाए गए लोगों के इंटरव्यू दिखाए गए थे। YouTuber और पत्रकार सूरज सिंह ठकुरी और उनकी कैमरा टीम द्वारा किए गए इस इंटरव्यू की स्थानीय मीडिया और सोशल मीडिया पर आलोचना हुई थी। बचाए जाने के बाद, बचे हुए लोगों का इलाज काठमांडू के छाउनी इलाके के एक अस्पताल के ICU में चल रहा था। प्रेस काउंसिल नेपाल के एक सीनियर अधिकारी दीपक खनाल ने च्ज्प् को बताया, ष्हमने इस मामले में मेडिकल काउंसिल और संबंधित अस्पताल को पत्र भेजे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रेस काउंसिल पत्रकारों के आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए ऐसे कंटेंट की और जांच और निगरानी कर रही है। हम यह भी पता लगा रहे हैं कि संबंधित यूट्यूबर के पास वैध प्रेस एक्रेडिटेशन कार्ड है या नहीं। यह बड़ी आपदा 26 अगस्त को नेपाल–तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टान के खिसकने (एवलांच) से आई अचानक बाढ़ के कारण हुई थी। बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के कस्बों और गांवों को तबाह कर दिया, जिसमें लगभग 1,400 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5,000 से ज़्यादा लोग अभी भी लापता हैं। हिमालयी सीमा क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी बाढ़ का पानी नीचे की ओर ले गई, जिससे घर, गाड़ियां, सड़कें और पुल बह गए और पनबिजली परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा।

अमेरिकी संसद में संशोधन पेश, रूस से तेल खरीदने पर लेकर भारत को लेकर बड़ा संशोधन

यूक्रेन में मॉस्को के मिलिट्री ऑपरेशन्स के लिए फंडिंग रोकने के मकसद से एक अहम कानूनी कदम उठाया गया है। अगस्त में पास हुए षलिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ़ 2026ष में सीनेट ने एक नया संशोधन पेश किया है। इसके तहत, रूसी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के पांच सबसे बड़े खरीदारों से आयातित सामान पर 100: तक का सेकेंडरी टैरिफ लगाने का प्रावधान है। इससे भारत और चीन जैसे बड़े आयातक देशों पर भारी ट्रेड लेवी (व्यापार शुल्क) का बोझ पड़ सकता है। रूस और ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए अमेरिकी सीनेट ने 7 अगस्त को 86–11 वोटों से यह मूल कानून पास किया था। हाउस की सबसे पुरानी स्थायी समितियों में से एक, शहाउस कमिटी ऑन रूल्सश, अभी सीनेट के इन संशोधनों पर विचार कर रही है। अमेरिकी सीनेट से पास हुए बिल में रूस के व्यापारिक साझेदारों का नाम तो नहीं लिया गया है, लेकिन इसमें वॉल्यूम के हिसाब से रूसी तेल और गैस के पांच सबसे बड़े आयातकों को खास तौर पर निशाना बनाया गया है। संशोधन दस्तावेज़ के कानूनी टेक्स्ट की धारा 113 में अनिवार्य 'एड वैलोरम' (मूल्य–आधारित) व्यापार शुल्क का विवरण दिया गया है। इस एक्ट के लागू होने की तारीख के 30 दिनों के अंदर, राष्ट्रपति – कानून के किसी भी दूसरे प्रावधान के बावजूद – सब–सेक्शन (ब) में बताए गए देश (और सिर्फ़ सब–सेक्शन (ब) में बताए गए देश) से अमेरिका में इम्पोर्ट किए जाने वाले सभी सामानों पर ड्यूटी की दर को 100 प्रतिशत तक (वैल्यू के आधार पर) बढ़ा देंगे, सेक्शन में यह लिखा था। सेक्शन 113(ब) के अनुसार, कवर्ड कंट्री (इस नियम के दायरे में आने वाला देश) कोई भी ऐसा विदेशी देश है जिसने ष्जानबूझकर कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस की नई खरीद की हो, जो रूसी फेडरेशन से आई हो और जिसकी खरीद इस एक्ट के लागू होने की तारीख के 30 दिन बाद या उसके बाद की गई हो; और जो इस एक्ट के लागू होने की तारीख से ठीक पहले के 12 महीनों के दौरान रूसी फेडरेशन से आने वाले कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के कुल वॉल्यूम के हिसाब से 5 सबसे बड़े इम्पोर्टर्स में शामिल रहा हो; या जो इस एक्ट के लागू होने की तारीख से ठीक पहले के 12 महीनों के दौरान रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले टॉप 5 देशों में शामिल रहा हो। चूंकि भारत, चीन के साथ–साथ रूस से समुद्र के रास्ते आने वाले कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से एक है, इसलिए यह सीधे तौर पर टॉप पांच वॉल्यूम वाले नियम के दायरे में आता है। सेक्शन 113(f) में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि इस सेक्शन के तहत लगाया गया कोई भी शुल्क, उस सामान पर लागू होने वाले किसी भी अन्य शुल्क, फ़ीस, टैक्स, उगाही या चार्ज के अतिरिक्त होगा। संशोधन में यह भी कहा गया है कि सेक्शन 113(इ) के तहत यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव को शुल्क दरों को 0 से 100 प्रतिशत के बीच बदलने का कानूनी अधिकार दिया गया है, अगर कोई देश ऐसे कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के आयात, बिक्री, आपूर्ति, ट्रांसफ़र या खरीद को बढ़ाने या कम करने या बंद करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाता है।

Iran के विदेश मंत्री अरागची 16 सितंबर को जाएंगे चीन, वांग यी से होगी द्विपक्षीय बातचीत

चीन के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची 16 सितंबर को चीन का दौरा करेंगे और अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ बातचीत करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब बीजिंग, राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अमेरिका यात्रा की तैयारी भी कर रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक बयान में कहा कि ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची 16 सितंबर को चीन का दौरा करेंगे। CPC केंद्रीय समिति के पॉलिटिकल ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी उनके साथ बातचीत करेंगे।ष यह दौरा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 24 सितंबर को होने वाली संभावित

अमेरिका यात्रा से पहले हो रहा है, जहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत करेंगे। ट्रंप ने US ट्रैवल सेक्टर के अधिकारियों से बात करते हुए तारीख का ऐलान किया और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सितंबर की शुरुआत में शी के साथ होने वाली बैठक के अच्छे नतीजे निकलेंगे। ट्रंप ने कहा कि वैसे, चीन के राष्ट्रपति 24 तारीख को आ रहे हैं; यह बहुत रोमांचक और शानदार होगा और मैं उनका स्वागत करना चाहूंगा। अरागची का चीन दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब US के साथ सैन्य टकराव की वजह से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है और ईरान क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच अहम साझेदारों के साथ कूटनीतिक बातचीत करना चाहता है। ईरान के विदेश मंत्री और वांग यी इससे पहले जुलाई में किर्गिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान मिले थे। अरागची ने ब्रिक्स समिट के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ अलग से भी बैठक की। अरागची का यह दौरा नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स समिट में ईरान की भागीदारी के बाद हो रहा है, जहां ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने देश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। ब्रिक्स समिट को संबोधित करते हुए, पेज़ेशकियन ने सदस्य देशों से उन प्रतिबंधों के खिलाफ व्यावहारिक कदम उठाने का आह्वान किया जिन्हें उन्होंने एकतरफा और अमानवीय बताया। साथ ही, उन्होंने समूह से वैश्विक संघर्षों को सुलझाने में बड़ी भूमिका निभाने का आग्रह किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

दुनिया पर राज करने वाले ब्रिटेन का अंत करीब?

बगावत की आग में झुलसा वेस्टमिंस्टर, तीन देशों ने दागा आजादी का पैगाम!

औपनिवेशिक काल में कभी शजिसके साम्राज्य का सूरज कभी नहीं डूबता थाश कहे जाने वाले यूनाइटेड किंगडम (न्ज्ञ) का अपना राजनीतिक ढांचा आज इतिहास के सबसे बड़े संवैधानिक संकट के मुहाने पर आ खड़ा हुआ है। एक दौर में दुनिया भर के मानचित्र बदलने और सीमाओं का निर्धारण करने वाले ब्रिटेन को अब खुद अपने ही क्षेत्र में गहरे बिखराव और विभाजन का सामना करना पड़ रहा है। वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व ने सोमवार को एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व

त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का सीधा उद्देश्य लंदन स्थित ब्रिटिश संसद (वेस्टमिंस्टर) के एकाधिकार को चुनौती देना और तीनों क्षेत्रों के लिए पूर्ण स्वायत्तता व स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (त्मिमितमदकनउ) कराने के अधिकारों की मांग करना है। वेल्स की राजधानी कार्डिफ में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान तीनों क्षेत्रों के शीर्ष नेताओं ने एकजुट होकर ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम और उनकी सरकार को अल्टीमेटम जारी किया। इस ऐतिहासिक समझौते पर दस्तखत करते हुए जारी संयुक्त बयान में वेस्टमिंस्टर की सत्ता प्रणाली पर सीधा हमला बोला गयारू ष्इन द्वीपों पर रहने वाले नागरिकों और दुनिया भर से इस घटनाक्रम को देख रहे वैश्विक समुदाय के लिए इससे स्पष्ट कोई संकेत नहीं हो सकताकृलंदन से संचालित वेस्टमिंस्टर का युग अब अपने अंतिम चरण में है। तीनों क्षेत्रों के नेताओं का मानना है कि यूरोपीय संघ (म्न्) से ब्रिटेन के बाहर निकलने (ठतमग्पज) के बाद से उनके आर्थिक और रणनीतिक हित बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उनका स्पष्ट रुख है कि उनके नागरिकों का समृद्ध और सुरक्षित भविष्य अब यूनाइटेड किंगडम के बजाय फिर से यूरोपीय संघ और वैश्विक साझेदारियों के साथ सीधा जुड़ने में निहित है।

इस बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच ब्रिटिश सरकार के पास विकल्प सीमित होते दिख रहे हैं:

स्कॉटलैंड में नए जनमत संग्रह के संकेतरू ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने हाल ही में संसद के भीतर यह स्वीकार कर संकेत दिए थे कि यदि जनभावना और राजनीतिक सहमति बनती है, तो केंद्र सरकार स्कॉटलैंड को अपनी स्वतंत्रता पर दूसरा जनमत संग्रह कराने की वैधानिक मंजूरी दे सकती है।

उत्तरी आयरलैंड का संवैधानिक अधिकाररू 1998 के ऐतिहासिक शगुड फ्राइडे एग्रीमेंटश की शर्तों के तहत उत्तरी आयरलैंड के पास यह स्पष्ट संवैधानिक अधिकार मौजूद है कि यदि वहां की जनता यूके से अलग होकर आयरलैंड गणराज्य (त्मचनइसपब विप्तमसंदक) के साथ एकीकरण के पक्ष में दिखती है, तो वहां री–यूनिफिकेशन जनमत संग्रह कराया जा सकता है।

ट्रम्प की टिप्पणी और वैश्विक कूटनीति का बदलता रुख

इतिहास में यह पहला अवसर है जब स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंडकृतीनों ही स्वशासित क्षेत्रों में एक साथ स्वतंत्रता–समर्थक और क्षेत्रीय अधिकारों की वकालत करने वाले दल सत्ता की बागडोर संभाल रहे हैं। इस अंदरूनी असंतोष को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तब और हवा मिली जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हालिया आयरलैंड दौरे के दौरान एक बड़ा बयान दे दिया। ट्रंप ने एक एकीकृत आयरलैंड (श्न्दपजमक प्तमसंदकश) की अवधारणा का खुले तौर पर समर्थन करते हुए कहा था कि उत्तरी आयरलैंड का आयरलैंड गणराज्य में विलय होना एक ष्शानदार विचारष होगा। इस बयान ने न केवल अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में खलबली मचा दी है, बल्कि वेस्टमिंस्टर पर चौतरफा वैश्विक दबाव बढ़ा दिया है। संवैधानिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लंदन सरकार ने इस त्रिपक्षीय समझौते के बाद दूरदर्शी और सुधारात्मक कदम नहीं उठाए, तो यूनाइटेड किंगडम का मौजूदा स्वरूप इतिहास के पन्नों तक ही सीमित रह सकता है।

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध अधिकरण ने अवामी लीग के 7 वरिष्ठ नेताओं को सुनाई मौत की सजा

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध अधिकरण–2 ने प्रतिबंधित अवामी लीग के उन सात वरिष्ठ नेताओं को मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए मंगलवार को मौत की सजा सुनाई, जिन पर 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन (जुलाई विद्रोह) के दौरान हिंसा भड़काने या उसे बढ़ावा देने का आरोप है। न्यायमूर्ति मोहम्मद नजरुल इस्लाम चौधरी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय अधिकरण–2 ने इन सात नेताओं के खिलाफ फैसला सुनाया। इन लोगों की अनुपस्थिति में यह मुकदमा चलाया गया था।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।